



मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR
(An Institute of National Importance)

एमएनआईटी समाचार पत्रिका जून 2026 संस्करण



Contents

• निदेशक का संदेश	03
• प्रमुख कार्यक्रम	04
• ब्लिट्जश्लाग 2026.....	07
• विभागीय झलकियाँ	09
• छात्र उपलब्धियाँ.....	17
• शोध प्रकाशन एवं परियोजनाएँ	19
• संकाय उपलब्धियाँ.....	21
• सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ	25
• डीनरी पहले	26
• लाइब्रेरी स्फीयर	31
• खबरों में एमएनआईटी.....	35
• कुलगीत.....	40



निदेशक का संबोधन

प्रिय पाठकों,

एमएनआईटी जयपुर न्यूज़लेटर के इस नवीनतम अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत गर्व और हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह अंक शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार, वैश्विक सहभागिता तथा संस्थागत विकास से परिपूर्ण हमारी सामूहिक यात्रा का सजीव प्रतिबिंब है।

इन पृष्ठों में संकलित बीते फ़रवरी से मई 2026 महीनों की उपलब्धियाँ केवल हमारी सफलताओं का ही परिचय नहीं देतीं, बल्कि जिज्ञासा, सहयोग और उद्देश्यपूर्ण अधिगम की उस भावना को भी अभिव्यक्त करती हैं, जो एमएनआईटी जयपुर परिवार की पहचान रही है और निरंतर हमारे संस्थान को नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर कर रही है।

पिछले कुछ महीने संस्थान की सार्थक पहलों तथा परिसर में उत्साहपूर्ण सहभागिता के साक्षी रहे हैं। हमारे वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव ब्लिट्ज़श्लाग 2026 ने एक बार फिर सांस्कृतिक, तकनीकी एवं विद्यार्थियों द्वारा संचालित विविध गतिविधियों के समृद्ध समन्वय के माध्यम से प्रतिभा, सृजनात्मकता और सामूहिक उत्साह को एक मंच पर एकत्रित किया। इस आयोजन ने समग्र विकास तथा सामुदायिक भावना के महत्व को पुनः सुदृढ़ किया।

इसी प्रकार, इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट कॉन्क्लेव 2026 भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा, जिसने शिक्षाविदों, उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों तथा नीति-निर्माताओं के मध्य संवाद के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। इस आयोजन ने अनुसंधान, नवाचार, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता तथा राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अनुरूप कौशल विकास के क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक सुदृढ़ किया।

एमएनआईटी जयपुर ने शैक्षणिक साझेदारियों तथा अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के माध्यम से अपने वैश्विक दृष्टिकोण का निरंतर विस्तार किया है। नॉर्वे, फ्रांस और भारत के विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के साथ स्थापित नई साझेदारियों तथा कनाडा, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ हुई सार्थक सहभागिताओं ने सहयोगात्मक अनुसंधान, छात्र एवं संकाय आदान-प्रदान, नवाचार तथा बहुविषयी अधिगम के नए अवसरों को सशक्त बनाया है।

ये प्रयास उत्कृष्टता और सार्थक प्रभाव पर आधारित एक वैश्विक रूप से जुड़े शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करते हैं।

हमारे संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं तथा विद्यार्थियों ने प्रभावशाली अनुसंधान, नवाचार, वित्तपोषित परियोजनाओं एवं शैक्षणिक उपलब्धियों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विशिष्ट पहचान निरंतर स्थापित की है। इस अंक में उल्लिखित उपलब्धियाँ ज्ञान सृजन, बहुविषयी अधिगम तथा सामाजिक प्रगति में एमएनआईटी जयपुर के बढ़ते योगदान को प्रतिबिंबित करती हैं।

उद्योग-संस्थान सहयोग, बहुविषयी पहलों तथा सक्रिय शैक्षणिक सहभागिता के माध्यम से हमारे नवाचार एवं अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का निरंतर सुदृढ़ होना उत्कृष्टता, नवाचार और समाधान-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

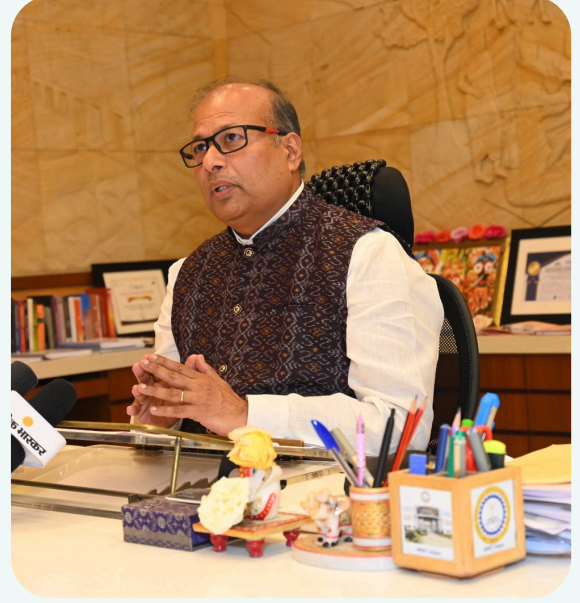
एमएनआईटी जयपुर को वास्तव में विशिष्ट बनाने वाली बात वह भावना है, जिसके साथ यहाँ उत्कृष्टता का अनुसरण किया जाता है— सत्यनिष्ठा, सहयोग, समावेशिता तथा राष्ट्र-निर्माण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ। मुझे आशा है कि इस अंक के पृष्ठ केवल उपलब्धियों का ही नहीं, बल्कि सार्थक नवाचार और उत्तरदायी नेतृत्व के प्रति समर्पित एक संस्थान की सामूहिक आकांक्षाओं का भी प्रतिबिंब प्रस्तुत करेंगे।

आइए, हम सभी आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट उद्देश्य के साथ मिलकर आगे बढ़ें तथा उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने का निरंतर प्रयास करें।

हार्दिक शुभकामनाओं एवं नवप्रेरणा के साथ,

प्रो.नारायण प्रसाद पाढ़ी

निदेशक, एमएनआईटी जयपुर





प्रमुख कार्यक्रम एवं आयोजन

रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग: नॉर्वे की नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (NTNU) के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 03 मार्च 2026 को नॉर्वे की नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (NTNU) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करना है। यह साझेदारी संकाय एवं छात्र विनिमय, संयुक्त अनुसंधान, शैक्षणिक विकास तथा विभिन्न सहयोगात्मक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए स्थापित की गई है।

फ्रांस के यूनिवर्सिटी सावोई मॉन्ट ब्लांक (Université Savoie Mont Blanc) के साथ समझौता ज्ञापन (MoU): अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 03 मार्च 2026 को फ्रांस के यूनिवर्सिटी सावोई मॉन्ट ब्लांक (Université Savoie Mont Blanc - USMB) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करना तथा अंतरराष्ट्रीय सहभागिता को बढ़ावा देना है। यह सहयोग छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के लिए विनिमय कार्यक्रमों, इंटरशिप, संयुक्त अनुसंधान, सम्मेलनों तथा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। इससे दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान, नवाचार और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

ISHRAE फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन (MoU): सतत एवं टिकाऊ विकास प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 27 मार्च 2026 को चेन्नई में आयोजित ISHRAE फाउंडेशन के स्थापना समारोह के दौरान एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य HVAC&R (हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजरेशन) क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता, इनडोर वायु गुणवत्ता तथा सतत विकास संबंधी प्रथाओं को बढ़ावा देना है। यह सहयोग अनुसंधान, नवाचार, ज्ञान-विनिमय तथा उद्योग-अकादमिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ तकनीकों के विकास में योगदान देगा।



इस समझौते पर एमएनआईटी जयपुर की ओर से प्रो. दिलीप शर्मा, डीन (अंतरराष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामलों), तथा ISHRAE फाउंडेशन की ओर से श्री अमिताभ सुर, फाउंडेशन के अध्यक्ष, ने हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी अकादमिक एवं औद्योगिक विशेषज्ञता के समन्वय के माध्यम से नवाचार, क्षमता निर्माण और सतत विकास से संबंधित पहलों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

एमएनआईटी जयपुर ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (RSPCB) के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 09 फरवरी 2026 को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (RSPCB) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य राजस्थान में पर्यावरणीय स्थिरता तथा तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। यह सहयोग पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, अनुसंधान एवं विकास, क्षमता निर्माण तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए राज्य में सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।



Lotus Temple



प्रमुख आयोजन

इस पहल का एक प्रमुख घटक प्रस्तावित स्वच्छ एवं हरित प्रौद्योगिकी विकास केंद्र (Clean and Green Technology Development Centre - CGTDC) है, जिसका उद्देश्य अपशिष्ट को संसाधनों में परिवर्तित करने (Waste-to-Resource Conversion), हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने तथा जलवायु अनुकूलन क्षमता (Climate Resilience) को सुदृढ़ करना है। यह केंद्र सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और नवाचार आधारित तकनीकी समाधानों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



कनाडा के उच्चायुक्त के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

30 मार्च 2026 को कनाडा के उच्चायुक्त महामहिम (H.E.) क्रिस्टोफर कूटर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी, वरिष्ठ संकाय सदस्यों तथा संस्थान के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। इस दौरान शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान, नवाचार, छात्र एवं संकाय आदान-प्रदान तथा भारत-कनाडा के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई। यह यात्रा अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक साझेदारी को सुदृढ़ करने और वैश्विक स्तर पर सहयोग के नए अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही।

DAAD इंडिया प्रतिनिधिमंडल का एमएनआईटी जयपुर दौरा

छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए “कनाडा में उच्च शिक्षा के अवसर” विषय पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें शैक्षणिक मार्गदर्शन, अनुसंधान सहयोग तथा अंतरराष्ट्रीय अवसरों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को कनाडा के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, उच्च शिक्षा कार्यक्रमों, छात्रवृत्ति अवसरों, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं तथा वैश्विक शैक्षणिक सहयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। यह कार्यक्रम छात्रों और शोधार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास के नए अवसरों से परिचित कराने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

दौर के दौरान छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए एक ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रवृत्तियों, अनुसंधान सहयोग, वित्तीय सहायता (फंडिंग सपोर्ट) तथा शैक्षणिक गतिशीलता (Academic Mobility) से संबंधित विभिन्न अवसरों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस संगोष्ठी ने प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान एवं सहयोगात्मक कार्यक्रमों के बारे में जागरूक करने तथा वैश्विक शैक्षणिक अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



एमएनआईटी जयपुर में राजस्थान विज्ञान महोत्सव-2026 का आयोजन

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 26 फरवरी 2026 को उद्घाटित तीन दिवसीय राजस्थान विज्ञान महोत्सव-2026 का आयोजन किया। इस महोत्सव की थीम “विकसित भारत के उत्प्रेरक के रूप में विज्ञान में महिलाओं की भूमिका” थी, जिसमें नवाचार, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा राष्ट्र निर्माण को आगे बढ़ाने में महिलाओं के योगदान और महत्वपूर्ण भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की उपलब्धियों, उनकी नेतृत्व क्षमता तथा विकसित भारत के निर्माण में उनके योगदान पर व्यापक चर्चा की गई।

उद्घाटन सत्र में प्रो. वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि संस्थान के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी ने एमएनआईटी जयपुर की उपलब्धियों तथा समावेशिता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ताओं ने वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजिटल सशक्तिकरण तथा सुशासन में प्रौद्योगिकी की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। इन चर्चाओं ने एक प्रगतिशील, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की परिकल्पना को और अधिक सुदृढ़ किया तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज के समग्र विकास के महत्व को रेखांकित किया।





प्रमुख आयोजन

उद्योग-संस्थान सम्मेलन 2026: अकादमिक- औद्योगिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 10 अप्रैल 2026 को विवेकानंद व्याख्यान थिएटर परिसर में उद्योग-संस्थान सम्मेलन 2026 का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य अकादमिक जगत और उद्योग के बीच सहयोग को सुदृढ़ करना, नवाचार को बढ़ावा देना तथा उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम ने शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान किया, जहाँ उन्होंने ज्ञान, अनुभव और विचारों का आदान-प्रदान करते हुए भविष्य की चुनौतियों और अवसरों पर सार्थक चर्चा की। यह सम्मेलन उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत करने और कौशल आधारित शिक्षा एवं अनुसंधान को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।



इस सम्मेलन में शिक्षाविदों, उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं तथा नवाचारकर्ताओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अनुसंधान, उद्यमिता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता तथा कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। इस मंच ने शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा नवाचार-आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए सार्थक संवाद का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन पंडित विश्व मोहन भट्ट, ग्रैमी पुरस्कार विजेता विख्यात संगीताचार्य, की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने उपस्थित जनों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से मंत्रमुग्ध कर दिया।



Charminar





ब्लिट्ज़श्लाग 2026



प्रतिभा, जुनून और उत्सव का प्रज्वलन

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 05 से 08 फरवरी 2026 तक अपना वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव ब्लिट्ज़श्लाग 2026 आयोजित किया। चार दिनों तक चले इस भव्य आयोजन में सांस्कृतिक, विश्लेषणात्मक एवं संवादात्मक गतिविधियों की विविध श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिसने रचनात्मकता, सहयोग, नवाचार तथा छात्र सहभागिता का उत्सव मनाया।

विभिन्न छात्र क्लबों की सक्रिय भागीदारी तथा प्रसिद्ध कलाकारों दर्शन रावल और शल्मली खोलगड़े की शानदार प्रस्तुतियों ने इस महोत्सव को और अधिक आकर्षक बनाया। ब्लिट्ज़श्लाग 2026 ने एमएनआईटी जयपुर की जीवंत परिसर संस्कृति, छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा तथा उत्साहपूर्ण सहभागिता को प्रभावशाली रूप से प्रदर्शित किया। यह आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, नए विचारों को साझा करने और सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करने में सफल रहा।

दिवस-0: उद्घाटन समारोह एवं शुभारंभ उत्सव



ब्लिट्ज़श्लाग 2026 का आधिकारिक उद्घाटन 05 फरवरी 2026 को एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी की गरिमामयी उपस्थिति में तथा Pandit Vishwa Mohan Bhatt के मुख्य अतिथि के रूप में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अंतर्गत परिकल्पित रचनात्मकता, सहयोग और समग्र शिक्षा की भावना को उजागर किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति तथा नेतृत्व क्षमता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम ने शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की संस्थान की प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित किया, जिससे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के विविध आयामों को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

उद्घाटन समारोह के अंतर्गत सीएसीएस (CACS), एमएनआईटी जयपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) क्लब द्वारा विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बहुसांस्कृतिक परेड (Multi-Cultural Parade) के माध्यम से पारंपरिक वेशभूषा और कलात्मक प्रस्तुतियों द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाया गया।

इसके साथ ही, नशा-मुक्ति संकल्प दीवार (Anti-Addiction Pledge Wall) ने विद्यार्थियों को सकारात्मक आदतें अपनाने, आत्म-अनुशासन विकसित करने तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। इन गतिविधियों ने सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक एकता और व्यक्तिगत कल्याण के संदेश को प्रभावी रूप से प्रसारित करते हुए विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित की।



दिवस-1: प्रतिभा और सहभागिता का प्रदर्शन

ब्लिट्ज़श्लाग 2026 के प्रथम दिवस में विश्लेषणात्मक सोच, टीमवर्क और छात्र सहभागिता को बढ़ावा देने वाली विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। ईडी सेल, एमआईआईसी, एमएनआईटी जयपुर द्वारा आयोजित आईपीएल ऑक्शन इवेंट ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की नीलामी प्रक्रिया की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और रोमांच को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया।

इस आयोजन में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को रणनीति-आधारित प्रतिस्पर्धा, निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व कौशल तथा टीम निर्माण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। विद्यार्थियों ने टीम चयन, बजट प्रबंधन और रणनीतिक योजना के विभिन्न पहलुओं को समझते हुए अपनी विश्लेषणात्मक एवं प्रबंधन क्षमताओं का प्रभावी प्रदर्शन किया। यह आयोजन छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक भावना, सहयोग और नवाचारी सोच को प्रोत्साहित करने में अत्यंत सफल रहा।

दिवस-2: सांस्कृतिक सहभागिता और संवादात्मक अनुभव

ब्लिट्ज़श्लाग 2026 के दूसरे दिन रचनात्मकता, टीम भावना और सांस्कृतिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनभर आयोजित कार्यक्रमों ने प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, सहयोगात्मक कौशल विकसित करने तथा विविध सांस्कृतिक परंपराओं और विचारों को समझने का अवसर प्रदान किया। इन गतिविधियों ने छात्रों के बीच रचनात्मक अभिव्यक्ति, पारस्परिक सहयोग और सांस्कृतिक समन्वय की भावना को सुदृढ़ किया, जिससे महोत्सव का वातावरण और अधिक जीवंत एवं उत्साहपूर्ण बन गया।



ब्लिट्ज़श्लाग 2026

एमएनआईटी जयपुर के सीएसीएस के एनएसएस क्लब ने "कल्चरल टैल्स" का आयोजन किया, जो एक बहु-दौर प्रतियोगिता थी जिसमें भारतीय संस्कृति और राज्यों पर केंद्रित प्रश्नोत्तरी, संगीत पहचान गतिविधियां और स्मृति-आधारित चुनौतियां शामिल थीं। इस कार्यक्रम में लगभग **40 टीमों** की भागीदारी देखी गई, जिससे एक आकर्षक और संवादात्मक वातावरण बना।



दिन का समापन दर्शन रावल की एक विद्युतीय प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने भीड़ को ऊर्जावान बना दिया और **ब्लिट्ज़श्लाग 2026** की जीवंत उत्सव भावना को साकार किया।



दिवस 3: स्थिरता, प्रतिस्पर्धा और उत्सव का समापन

ब्लिट्ज़श्लाग 2026 के अंतिम दिन आकर्षक प्रतियोगिताओं और स्थिरता-केंद्रित पहलों का आयोजन किया गया। **एमआईआईसी, एमएनआईटी जयपुर** द्वारा आयोजित "मोनोपॉली इवेंट", क्लासिक बोर्ड गेम के लाइफ-साइज़ रूपांतरण के रूप में संचालित किया गया, जिसमें रणनीति, टीमवर्क और मनोरंजन का संयोजन था, और इसमें लगभग **140 छात्रों** की भागीदारी देखी गई।

ग्रीन पेट्रोल इनिशिएटिव, एमएनआईटी जयपुर के सीएसीएस के एनएसएस क्लब द्वारा आयोजित, ने पुनः उपयोग, अपशिष्ट पृथक्करण और सामग्रियों के रचनात्मक पुनरुपयोग को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया।



भव्य समापन में प्रसिद्ध गायिका **शाल्मली खोलगड़े** की मनमोहक प्रस्तुति के साथ एक उच्च-ऊर्जा **प्रोनाइट** शामिल था, जिसने उत्सव को एक शानदार और यादगार समापन दिया।

ए लास्टिंग इम्प्रेशन

ब्लिट्ज़श्लाग 2026 ने एमएनआईटी जयपुर में रचनात्मकता, सांस्कृतिक भागीदारी, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रतिबिंबित किया। सांस्कृतिक प्रदर्शनियों, विश्लेषणात्मक प्रतियोगिताओं और छात्र-नेतृत्व वाली पहलों के माध्यम से, उत्सव ने संलग्नता, अनुभवात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया।



Jai Mahal



विभागीय झलकियां

वास्तुकला और नियोजन विभाग



वास्तुकला और नियोजन विभाग की टीम सुग्रीह ने निर्माण श्रमिकों के लिए टिकाऊ, लचीले और नेट-ज़ीरो आवास समाधान विकसित करने के लिए सोलर डेकाथलॉन इंडिया के फाइनल में स्थान प्राप्त किया।

डॉ. तरुण वर्मा और डॉ. गिरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में, परियोजना ने नवीन और टिकाऊ डिज़ाइन दृष्टिकोणों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की आवास चुनौतियों का समाधान किया।

आर्क. मीनू वर्षेय, सहायक प्राध्यापक ने बाली, इंडोनेशिया में आयोजित 12^{वें} अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन (आईसीईडीयू 2026) में एमएनआईटी जयपुर का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में दिव्यांग-अनुकूल निर्मित वातावरण के लिए नीतियों को लागू करने में वैधानिक निकायों की भूमिका पर अनुसंधान प्रस्तुत किया, जिसमें समावेशी और बाधा-मुक्त परिसर विकास पर जोर दिया गया।

डॉ. तरुण चंद्रा, प्राध्यापक ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित पर्यावरण विज्ञान और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईएसएस 2026) में एमएनआईटी जयपुर का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने सिस्टम्स डायनेमिक मॉडलिंग का उपयोग करके लखनऊ में वायु गुणवत्ता क्षरण पर अनुसंधान प्रस्तुत किया और टिकाऊ शहरी गतिशीलता और पर्यावरण नीति में योगदान के लिए बेस्ट प्रेजेंटेशन अवार्ड प्राप्त किया।



रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

विभाग ने 27-28 मार्च 2026 को इनडीए, आईआईसी एच ई जयपुर क्षेत्रीय केंद्र और आईडब्ल्यूडब्ल्यूए के सहयोग से इनडीएसीओएन 2026 का संयुक्त रूप से आयोजन किया, जो विलवणीकरण, जल उपचार, स्थिरता और जल प्रबंधन में एआई अनुप्रयोगों पर केंद्रित था।



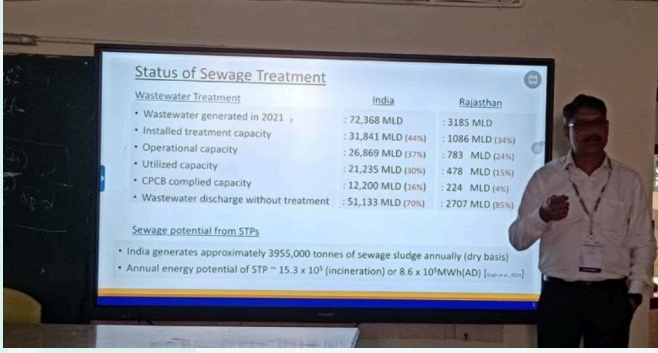
Statue of Unity



विभागीय झलकियां

डॉ. रोहिदास भोई ने यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ, यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जैव-अभियांत्रिकी सम्मेलन (आई सी बी-2026) में टिकाऊ कीचड़ प्रबंधन पर अनुसंधान प्रस्तुत किया।

इन कार्यक्रमों ने 20 देशों के 100 से अधिक वैज्ञानिकों और अग्रणी शैक्षणिक एवं औद्योगिक संगठनों के विशेषज्ञों के साथ संवाद को सुगम बनाया, जिससे एमएनआईटी जयपुर के वैश्विक अनुसंधान सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता को मजबूती मिली।



Status of Sewage Treatment

Wastewater Treatment

	India	Rajasthan
Wastewater generated in 2021	72,368 MLD	3185 MLD
Installed treatment capacity	31,841 MLD (44%)	1086 MLD (34%)
Operational capacity	26,869 MLD (37%)	783 MLD (24%)
Utilized capacity	21,235 MLD (30%)	478 MLD (15%)
CPCB complied capacity	12,200 MLD (16%)	224 MLD (4%)
Wastewater discharge without treatment	51,133 MLD (70%)	2707 MLD (85%)

Sewage potential from STPs

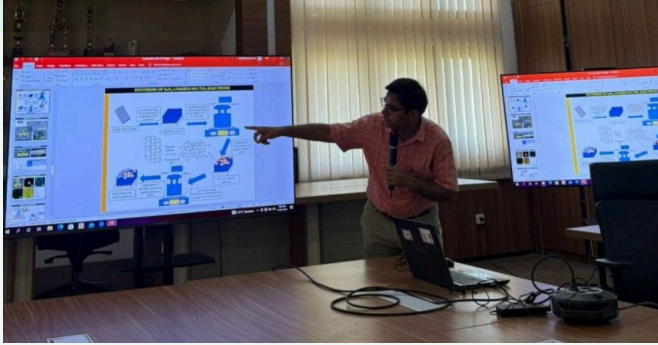
- India generates approximately 3955,000 tonnes of sewage sludge annually (dry basis)
- Annual energy potential of STP $\sim 15.3 \times 10^6$ (incineration) or 8.6×10^6 MWh (AD) [Source: ...]



डॉ. शिव ओम मीणा ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग गतिविधियों के लिए 16-21 मार्च 2026 तक उदयाना विश्वविद्यालय, बाली, इंडोनेशिया का दौरा किया।

रसायन विज्ञान विभाग

विभाग ने अपना उद्घाटन विभाग दिवस - "अनुवेदाह 2026" (14 मार्च 2026) मनाया, जिसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, संकाय प्रस्तुतियां, छात्र वार्ताएं, पोस्टर प्रस्तुतियां और एक विज्ञान प्रश्नोत्तरी शामिल थीं, जिसने शैक्षणिक संवाद और ज्ञान साझाकरण के लिए एक मंच बनाया।



डॉ. मो. ओएस मिह्रा, सहायक प्राध्यापक, रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग ने कोलकाता के कलकत्ता विश्वविद्यालय में "एक्सपेंडिंग होराइज़न ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग" सम्मेलन (दिसंबर 2025) और क्वी न्होन, वियतनाम में 5वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण प्रदूषण, पुनर्स्थापना और प्रबंधन सम्मेलन (आईसीईपीओआरएम 2026) (मार्च 2026) में एमएनआईटी जयपुर का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने डेयरी अपशिष्ट जल उपचार के लिए अवायवीय झिल्ली बायोरिएक्टर और संसाधन-कुशल अपशिष्ट जल उपचार और बायोएथेनॉल पृथक्करण के लिए झिल्ली-आधारित प्रणालियों पर अपना शोध प्रस्तुत किया।



विभाग ने समकालीन रासायनिक विज्ञान के विकास पर छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यानों की एक श्रृंखला आयोजित की। प्रोफेसर (एच ए जी) आलकेश बिसाई, आई आई एस ई आर कोलकाता ने 23 मार्च 2026 को विभाग सेमिनार हॉल में "टोटल सिंथेसिस ऑफ बायोलॉजिकली रिलेवेंट कॉम्प्लेक्स एल्कलॉइड्स" पर एक व्याख्यान दिया। सत्र का आयोजन डॉ. बरुण जाना द्वारा किया गया।



Golden Temple





विभागीय झलकियां

प्रो. परितोष मोहंती, आई आई टी रुड़की ने "गैस सॉल्यूशन फॉर टेक्सचर एनालिसिस: पिटफॉल्स, चैलेंजेज़, एंड डेटा इंटरप्रिटेशन" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जिसमें बनावट विश्लेषण में चुनौतियों और व्याख्या तकनीकों पर प्रकाश डाला गया।

प्रो. बिस्वरूप चक्रवर्ती, आईआईटी दिल्ली ने "स्ट्रक्चर-एक्टिविटी कोरिलेशन ऑफ बाइमेटेलिक ऑक्साइड इलेक्ट्रोकेटैलिस्ट्स: वोल्फ्रामाइट्स वर्सेज़ स्पिनेल" पर एक व्याख्यान दिया, जो विद्युत-उत्प्रेरक व्यवहार और संरचना-गतिविधि संबंधों पर केंद्रित था।

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग

प्रो. राजीव अग्रवाल ने लीड्स, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित **34वें यूरोपीय परिचालन अनुसंधान सम्मेलन** (ई यू आर ओ 2025) में एमएनआईटी जयपुर का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने ब्लॉकचेन-सक्षम आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अनुसंधान प्रस्तुत किया, जिसमें जटिल परिचालन प्रणालियों में डिजिटल विश्वास, साइबर सुरक्षा, प्रशासन और पारदर्शिता से संबंधित चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।



डॉ. महीपाल जाडेजा, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने **भारतीय सेना के सप्त शक्ति कमांड** द्वारा आयोजित एक रणनीतिक संगोष्ठी में "एआई एज़ अ फोर्स मल्टीप्लायर" पर एक विशेषज्ञ सत्र दिया, जिसमें रक्षा प्रणालियों में निर्णय-निर्माण और परिचालन दक्षता बढ़ाने में ए आई, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और कस्टम जीपीटी की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।



विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. अखिलेश माथुर, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने ओसाका, जापान में आयोजित **आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर, एनर्जी, एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग** (सीपीईईई 2026) में एमएनआईटी जयपुर का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने बहु-भूमिगत वितरण नेटवर्क के लिए उन्नत लघु-परिपथ गणना विधियों पर अनुसंधान प्रस्तुत किया। अध्ययन ने विद्युत प्रणालियों में विश्वसनीयता और विश्लेषण में सुधार के लिए **पीएससीएडी/ईएमटीडीसी** सिमुलेशन का उपयोग करके एक मान्य पद्धति प्रस्तावित की और उन्नत विद्युत प्रणाली स्थिरता और नियंत्रण सत्र में "बेस्ट प्रेजेंटेशन अवार्ड" अर्जित किया।



Gateway of India





विभागीय झलकियां

विभाग ने 10 अप्रैल 2026 को आयोजित **उद्योग-संस्थान संगम 2026** में भाग लिया, जिससे उद्योग-शिक्षा संवाद और अनुसंधान सहयोग के अवसर मजबूत हुए।



इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग ने श्री बालमुकुंद झा, उप महाप्रबंधक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), गाजियाबाद द्वारा एंटेना और राडार प्रणालियों पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया। व्याख्यान ने रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र से मूल्यवान उद्योग दृष्टिकोण, व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग प्रदान किए, जिससे छात्रों को सैद्धांतिक अवधारणाओं के बड़े पैमाने पर इंजीनियरिंग प्रणालियों में रूपांतरण को समझने में मदद मिली।

एमएनआईटी जयपुर के **ओप्टिका छात्र अध्याय** ने **15 मई 2026** को आउटरीच और तकनीकी गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से **प्रकाश का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2026** मनाया। कार्यक्रम ने प्रकाश-आधारित प्रौद्योगिकियों और विज्ञान, संस्कृति और टिकाऊ विकास में उनके योगदान के महत्व को उजागर किया, जिससे छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच जागरूकता और जुड़ाव को बढ़ावा मिला।





विभागीय झलकियां

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

10 अप्रैल 2026 को आयोजित उद्योग-संस्थान संगम 2026 के दौरान, डॉ. दीप्ति शर्मा और यशपाल यादव ने "इंटीग्रेशन ऑफ सोलर एनर्जी विद एग्रीकल्चर इन राजस्थान" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया, जो स्थिरता और नीति कार्यान्वयन चुनौतियों पर केंद्रित था।



विभाग ने 16-20 मार्च 2026 तक प्रो. पंचानन मोहंती की मेजबानी की, जिस दौरान छात्रों और शोध विद्वानों के लिए पाठ्यक्रम विकास और अंतःविषय शैक्षणिक सत्र आयोजित किए गए।



संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं ने फरवरी-मार्च 2026 के दौरान साहित्यिक अध्ययन और ट्रांसमीडिया स्टोरीटेलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र भी प्रस्तुत किए।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

डॉ. दीपक वर्मा ने बाली, इंडोनेशिया में आयोजित "11th वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन" में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो जेन ज़ी उपभोक्ताओं के बीच सेवा सुविधा और डिजिटल वर्ड-ऑफ-माउथ पर केंद्रित था।



विभाग ने टीयू ड्रेसडेन से डॉ. अन्ना गॉर्नर द्वारा यूरोपीय संघ ग्रीन डील पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया, जो स्थिरता प्रथाओं और भारतीय उद्योगों के लिए उनकी प्रासंगिकता पर केंद्रित था।





विभागीय झलकियां

एम बी ए छात्रों ने डॉ. रितिका महाजन के मार्गदर्शन में नवाचार और डिज़ाइन थिंकिंग पाठ्यक्रम के भाग के रूप में **अनोखी म्यूज़ियम ऑफ हेंड प्रिंटिंग**, आमेर, जयपुर का दौरा किया, ताकि विरासत-आधारित उद्यम मॉडल और टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं को समझा जा सके।



सिएटर इंडिया के सहयोग से, विभाग ने वैश्विक जुड़ाव, विविधता, नेतृत्व और अंतर-सांस्कृतिक समझ पर केंद्रित जयपुर में एक आगामी अंतर-सांस्कृतिक सम्मेलन की घोषणा की।

SIETARINDIA
Department of Management Studies, MNIT Jaipur

Society for Intercultural Training, Education and Research, India in collaboration with MNIT Jaipur presents

Intercultural Competence For
CONSCIOUS COLLABORATION

Preconference Workshop:
13 November

14-15 Nov '26
MNIT Jaipur

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

डॉ. यशवंत कोली ने वॉल वायर आर्क एडिटिव मैनुफैक्चरिंग (डब्ल्यूएएम) संरचनाओं पर शोध प्रस्तुत किया, जबकि डॉ. प्रीति गुलिया ने आईसीएएमएस-2026 में एक अध्ययन प्रस्तुत किया, जिसमें उन्नत विनिर्माण और सामग्री अनुसंधान में एमएनआईटी जयपुर के योगदान को प्रदर्शित किया गया।

विभाग ने प्रो. राजीव अग्रवाल के अंतर्गत गुणवत्ता सुधार उपकरणों पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रायोजित परियोजना ₹5.06 लाख की स्वीकृत राशि के साथ प्राप्त की।

प्रो. राजीव अग्रवाल और प्रो. हरलाल सिंह माली ने शैक्षणिक मंचों और तकनीकी बूटकैम्प में यूएवी, ड्रोन और स्वायत्त प्रौद्योगिकियों पर वार्ताएं दीं।

धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग

स्नातक छात्रों के लिए **हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड** और **वेदांता लिमिटेड**, गोवा के औद्योगिक दौरे आयोजित किए गए, जिससे धातुकर्म संचालन, खनन प्रथाओं और औद्योगिक कार्यप्रवाह का अनुभव प्राप्त हुआ।



Amer Fort

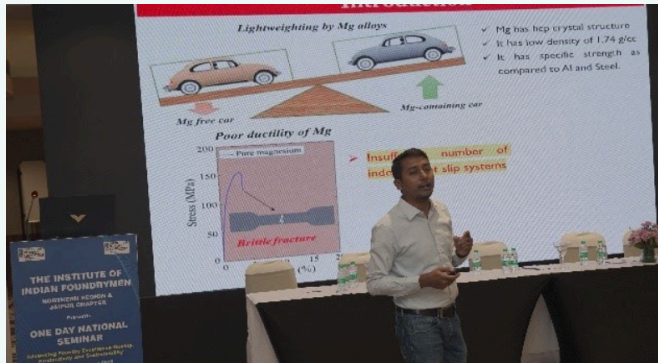




विभागीय झलकियां

उद्योग-संस्थान व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत, एनएमएल जमशेदपुर, एसएसी-इसरो अहमदाबाद और बीएचईएल हैदराबाद के वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा लौह निर्माण, मिश्रित सामग्री और धातु संयोजन प्रौद्योगिकियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए।

संकाय सदस्यों ने उच्च-एंट्रॉपी मिश्र धातुओं, सुपरएलॉय, लौह गोलियों और उन्नत सामग्री इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध प्रस्तुत किया।



विभाग ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध प्रकाशित किया, जिनमें जर्नल ऑफ मटीरियल्स साइंस, जर्नल ऑफ एलॉयज़ एंड कम्पाउंड्स और ट्राइबोलॉजी इंटरनेशनल शामिल हैं।

विभाग ने शैक्षणिक-उद्योग जुड़ाव को मजबूत करने के लिए डब्ल्यू एम डब्ल्यू इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के साथ एक अनुसंधान सहयोग भी स्थापित किया।

डॉ. स्वाति शर्मा, सहायक प्राध्यापक ने एमएनआईटी जयपुर में आयोजित उद्योग-संस्थान संगम 2026 की संयोजक के रूप में कार्य किया।

भौतिकी विभाग

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑर्गेनिक फोटोवोल्टेइक्स 2026 (आईसीओपीवी-2026) का आयोजन एमएनआईटी जयपुर के भौतिकी विभाग द्वारा किया गया, जिसने जैविक फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकियों और संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों में हालिया विकास पर चर्चा के लिए शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को एक साथ लाया।



डॉ. कविता लालवानी, भौतिकी विभाग ने अंतरिक्ष विकिरण परिरक्षण के लिए क्वांटम अनुकूलन पर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यान मिशन संचालन सम्मेलन (एसएमओपीएस-2026) में शोध प्रस्तुत किया, जिससे इसरो और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के विशेषज्ञों के साथ शैक्षणिक संवाद सुगम हुआ।



विभागीय झलकियां



मालवीय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (एम आई आई सी)

एमआईआईसी ने 23-24 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन (एनआईएफ), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से इंस्पायर-मानक योजना के अंतर्गत चयनित छात्र नवाचारकों के लिए दो दिवसीय "इंस्पायर अवार्ड्स-मानक मेंटरशिप वर्कशॉप" का आयोजन किया।



ई डी सेल के सहयोग से, एमआईआईसी ने 1 फरवरी 2026 को एमआईआईसी सेमिनार हॉल में छात्रों के बीच विश्लेषणात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए एक केस स्टडी प्रतियोगिता आयोजित की।



एमआईआईसी ने आईआईएम बैंगलोर के बीबीए डिजिटल बिज़नेस और एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम के लिए "द सिटी मीटअप-जयपुर" की मेजबानी की, जिसमें एमआईआईसी-इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स के साथ संवाद के माध्यम से स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमशीलता प्रथाओं का अनुभव प्रदान किया गया।



सामग्री अनुसंधान केंद्र (एम आर सी)

कनाडा के उच्चायुक्त, एच. ई. क्रिस्टोफर कूटर ने 30 मार्च 2026 को एमआरसी का दौरा किया और केंद्र की उन्नत अनुसंधान सुविधाओं की सराहना की। एमआरसी ने शोधकर्ताओं और छात्रों के साथ शैक्षणिक संवाद के लिए आईआईटी और उद्योग के प्रख्यात शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं की भी मेजबानी की।

आउटरीच पहलों के भाग के रूप में, केंद्र ने उन्नत सामग्री विशेषता और अनुसंधान सुविधाओं का अनुभव प्रदान करने के लिए सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय अजमेर, जवाहर नवोदय विद्यालय पावटा और एमएनआईटी जयपुर के छात्रों द्वारा शैक्षणिक दौरों को सुगम बनाया।



Khajuraho Temple



छात्र उपलब्धियां

श्री सोनू जैन (ईसीई) को माइक्रोवेव इंजीनियरिंग आउटरीच और मार्गदर्शन में योगदान के लिए आईईईईई माइक्रोवेव थ्योरी एंड टेक्नीक्स सोसाइटी के अंतर्गत आईईईईई एमटीटी-एस छात्र राजदूत 2026 के रूप में चयनित किया गया।



सजल कुमार सिंह (ईसीई 2025 बैच) ने माइक्रोन टेक्नोलॉजी में कार्यरत रहते हुए गेट 2026 में एआईआर 75 प्राप्त किया, जो 2025 में एआईआर 710 से सुधार है।

four GATE 2026 Result (EC)	
SAJAL KUMAR SINGH	
Registration Number	
Gender	
Male	
Parent's/Guardian's name	
SANT KUMAR SINGH	
Date of Birth (YYYY-MM-DD)	
Test Paper	
Electronics and Communication Engineering (EC)	Signature
Marks out of 100 ²	67.33
All India Rank in this test paper	75
Qualifying Marks ³	25.4 23.7 17.5
GATE Score	848

सूरज कुमार और स्नेहारानी साहू (ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र, एमएनआईटी जयपुर) ने प्रत्येक ₹12 एल पी ए के वार्षिक पैकेज के साथ सैरेंटिका रिन्यूएबल्स में प्लेसमेंट प्राप्त किया, जो शैक्षणिक वर्ष के दौरान केंद्र के छात्रों द्वारा प्राप्त उच्चतम प्लेसमेंट प्रस्तावों में से एक है।

सुमित सिंह, हर्षवीर सिंह चौहान और नईम अहमद (रासायनिक इंजीनियरिंग) ने डॉ. दिपालय दत्ता के पर्यवेक्षण में आयन बैटरी में गहन यूटेक्टिक इलेक्ट्रोलाइट्स पर शोध के लिए उद्योग-संस्थान संगम 2026 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (स्नातक श्रेणी) प्राप्त किया।



श्री संजीव कुमार मीणा (पीएचडी, रासायनिक इंजीनियरिंग) ने डॉ. शिव ओम मीणा और डॉ. विकास सांगल के अंतर्गत विद्युत-रासायनिक अपशिष्ट जल उपचार पर शोध के लिए उद्योग-संस्थान संगम 2026 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (पीएचडी श्रेणी) प्राप्त किया।





छात्र उपलब्धियां

राहुल कुमार और आर्यन प्रजापति (एम.टेक) ने कुक्कुट अपशिष्ट से ऊर्जा रूपांतरण पर शोध के लिए उद्योग-संस्थान संगम 2026 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (स्नातकोत्तर श्रेणी) प्राप्त किया।



श्री राकेश कुमार सैनी (पीएचडी, रसायन विज्ञान) ने डॉ. मनवीरी रानी के अंतर्गत पर्यावरणीय उपचार के लिए नैनोकम्पोजिट पर शोध के लिए डॉ. बी. आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर द्वारा आयोजित केमिकल कॉन्स्टेलेशन कैमिनार (सी3-2026) (03-04 अप्रैल 2026) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।



श्री आयुष पांडेय (ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र) को ऑस्ट्रिया के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एप्लाइड सिस्टम्स एनालिसिस में यंग साइंटिस्ट्स समर प्रोग्राम (वाई एस एस पी) 2026 के लिए चयनित किया गया।

अश्वनी कुमार (पीएचडी, सिविल इंजीनियरिंग) ने संयुक्त राज्य अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, आर्लिंगटन में उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों पर केंद्रित 10वें आईएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूआईएस विंटर स्कूल 2026 को पूर्ण किया। कार्यक्रम के दौरान, उन्हें प्रोफेसर सहादत हुसैन और आईएसडब्ल्यू अध्यक्ष जेम्स लॉ सहित वैश्विक विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त, उन्हें एसडब्ल्यूआईएस-यूटीए द्वारा पूर्ण छात्रवृत्ति और एएनआरएफ-आईटीएस से यात्रा सहायता प्रदान की गई।





छात्र उपलब्धियां



टीम सुग्रीह (वास्तुकला और नियोजन) ने डॉ. तरुण वर्मा और डॉ. गिरेन्द्र कुमार के मार्गदर्शन में निर्माण श्रमिकों के लिए जलवायु-अनुकूल और नेट-ज़ीरो आवास समाधान विकसित करने के लिए सोलर डेकाथलॉन इंडिया के फाइनल में स्थान प्राप्त किया।

अनुसंधान प्रकाशन और परियोजनाएं

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र

- **पेटेंट शीर्षक:** "ए मेथड एंड सिस्टम फॉर मॉनिटरिंग सेल हेल्थ यूज़िंग इमेज एनालिसिस थ्रू मशीन लर्निंग"

आविष्कारक: डॉ. कपिल पारीक, कार्तिक कुमार

पेटेंट प्रदत्त: पंजीकरण संख्या 202111040548

- **पेटेंट शीर्षक:** "पीडीएमएस, एसआईओ₂, एंड एस आई₃एन₄-बेस्ड मल्टीलेयर एंटीरिफ्लेक्टिव रेडिएटिव कोटिंग फॉर सोलर सेल कूलिंग"

आविष्कारक: अविनाश कुमार, पबित्र कुमार बिस्वास, अमर्त्य चौधरी, हरिकेश नारायणन और अजमल कोया पुलिककल

पेटेंट दाखिल: आवेदन संख्या 202531083731

- **पेटेंट शीर्षक:** "डिसेंट्रलाइज़्ड मल्टी-एजेंट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम फॉर मिटिगेटिंग बुलक्लिप इफेक्ट इन सप्लाय चेन्स"

आविष्कारक: डॉ. गुंजन सोनी

पेटेंट दाखिल: पेटेंट संख्या 202611027481

धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग

- **पेटेंट शीर्षक:** "रोबस्ट सुपर-हाइड्रोफोबिक प्लाज़्मा-स्प्रेड हाई एंटीपी एलॉय कोटिंग"

आविष्कारक: डॉ. स्वाति शर्मा और सहयोगी

पेटेंट प्रदत्त: पंजीकरण संख्या 585338 (27 मार्च 2026 को प्रदत्त)

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

- **पेटेंट शीर्षक:** "ट्विन-फ्लो मॉड्यूलर माइक्रो-चैनल हीट सिंक एंड फेब्रिकेशन प्रोसेस थेरिऑफ"

आविष्कारक: प्रो. हरलाल सिंह माली, सिद्धार्थ के. सिंह

पेटेंट दाखिल: पेटेंट संख्या 582979



Ellora Caves



अनुसंधान प्रकाशन और परियोजनाएं

स्वीकृत परियोजनाएं

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. विवेकानंद
परियोजना शीर्षक: "माइक्रोएल्यूमीनियम-बेस्ड सीओ₂ कैप्चर एंड सस्टेनेबल बायोमैनुफैक्चरिंग"
वित्त पोषण एजेंसी: जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार
राशि: ₹128 लाख
अवधि: 2026-2028

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. कपिल पारीक (सह-पी आई, एमएनआईटी जयपुर)
परियोजना शीर्षक: "हाइड्रोजन वैली इनोवेशन क्लस्टर"
वित्त पोषण एजेंसी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
राशि: ₹3650 लाख (संघ परियोजना)
अवधि: 2025-2030

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

- परियोजना अन्वेषक: प्रो. राजीव अग्रवाल
परियोजना शीर्षक: "रिव्यू ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स ऑन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट टूल्स, इनक्लूडिंग क्वालिटी फंक्शन डिप्लॉयमेंट एंड एस्टिमेशन"
वित्त पोषण एजेंसी: भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)
राशि: ₹5.06 लाख
स्वीकृत: 27 फरवरी 2026

प्रबंधन अध्ययन विभाग

- परियोजना अन्वेषक: प्रो. मोनिका शर्मा
परियोजना शीर्षक: "ग्रोथ इंटेन्सिफिकेशन ऑफ वूमन-लेड स्टार्ट-अप्स इन द टेक्स्टाइल इंडस्ट्री: अ कॉम्प्रिहेंसिव मल्टी-मैथड इन्वेस्टिगेशन इन टू स्टेट्स"
वित्त पोषण एजेंसी: भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर)
राशि: ₹17 लाख
अवधि: 2025-2027

- परियोजना अन्वेषक: प्रो. मोनिका शर्मा
परियोजना शीर्षक: "कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर डिजाइन एंड एंटरप्रेन्योरशिप"
वित्त पोषण एजेंसी: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
राशि: ₹129 लाख
अवधि: 2024-2029

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. आयुष गौतम
परियोजना शीर्षक: "डेलीवर्बल अ सर्कुलर बैटरी-एज-अ-सर्विस मॉडल फॉर अर्बन इलेक्ट्रिक मोबिलिटी विद बैटरी लाइफ ऑप्टिमाइज़ेशन"
वित्त पोषण एजेंसी: ओडीआरसी, एमएनआईटी जयपुर
राशि: ₹5 लाख

प्रकाशित शोध पत्र

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र

- अनुसंधान परिणाम नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, कार्बन कैप्चर, हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र, ऊर्जा निदान और स्थिरता-संचालित प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित थे।

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग

- शोध प्रकाशन अपशिष्ट जल उपचार, बायोमास मूल्यीकरण, उत्प्रेरक प्रणालियों, टिकाऊ सामग्री और एनर्जी एंड फ्यूल्स, केमिकल इंजीनियरिंग साइंस और बायोमास एंड बायोएनर्जी सहित पत्रिकाओं में मशीन-लर्निंग-आधारित प्रक्रिया अनुकूलन पर केंद्रित थे।

रसायन विज्ञान विभाग

- रिपोर्टिंग अवधि के दौरान उत्प्रेरण, नैनोसामग्री, पर्यावरणीय उपचार, विद्युत-उत्प्रेरण और टिकाऊ रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में 40 शोध प्रकाशनों के माध्यम से महत्वपूर्ण विद्वतापूर्ण योगदान दिया गया।



अनुसंधान प्रकाशन और परियोजनाएं

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग

- रिपोर्टिंग अवधि के दौरान अनुसंधान उत्पादन में संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और बुद्धिमान प्रणालियों के क्षेत्रों को कवर करने वाली प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 11 प्रकाशन शामिल थे, साथ ही "एल्गोरिदम्स फॉर इंटेलिजेंट सिस्टम्स" और "लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स" श्रृंखला के अंतर्गत प्रकाशित स्प्रिंगर पुस्तक खंडों में विद्वतापूर्ण योगदान भी शामिल थे।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

- अनुसंधान गतिविधियां स्थिरता, ऊर्जा संक्रमण और सामाजिक विज्ञान नीति अध्ययन को समाहित करने वाले अंतःविषय क्षेत्रों में जारी रहीं, जो निरंतर शैक्षणिक जुड़ाव और विद्वतापूर्ण योगदान को दर्शाती हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

- सेज, स्प्रिंगर, एल्सेवियर, टेलर एंड फ्रांसिस और आई ओ पी द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशन ने एडिटिव मैनुफैक्चरिंग, तापीय प्रणालियों, भंगुरता यांत्रिकी, उन्नत मिश्रित सामग्री और भूकंपीय मेटामटेरियल के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विद्वतापूर्ण योगदान को प्रतिबिंबित किया।

धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग

- रिपोर्टिंग अवधि के दौरान विद्वतापूर्ण प्रकाशनों में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 12 शोध पत्र शामिल थे, जो उन्नत सामग्री, कोटिंग, संक्षारण और धातुकर्म प्रणालियों के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाते हैं।

संकाय उपलब्धियां

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग

डॉ. दिपालय दत्ता को 27 मार्च 2026 को एमएनआईटी जयपुर में आयोजित इनडीएसीओएन-2026 के दौरान विलवणीकरण और जल उपचार अनुसंधान में उनके योगदान को मान्यता देते हुए इंडियन डिसेलिनेशन एसोसिएशन (इनडीए) की फेलो सदस्यता प्रदान की गई। उन्होंने इनडीएसीओएन-2026 के आयोजन सचिव के रूप में भी कार्य किया।

डॉ. विकास सांगल ने केरल के महात्मा गांधी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्नत सामग्री और सतत प्रौद्योगिकियों पर एक आमंत्रित वार्ता दी। उनकी प्रस्तुति ने भारी धातु-समृद्ध औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार के लिए एक नवीन विद्युत-रासायनिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।





संकाय उपलब्धियां



रसायन विज्ञान विभाग

डॉ. मनवीरी रानी ने एन आई टी जालंधर में सी3-2026 (03-04 अप्रैल 2026) में एक आमंत्रित वार्ता दी, सत्र अध्यक्ष और पोस्टर परीक्षक के रूप में कार्य किया, और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 पर डीएनए निष्कर्षण हैंड्स-ऑन गतिविधि के समन्वय के लिए राजस्थान विज्ञान महोत्सव 2026 में सम्मान एवं कृतज्ञता पुरस्कार प्राप्त किया।



डॉ. पवन रेखा ने जापान के मेजी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीसीसीपी-2026 में सी ओ₂ स्थिरीकरण के लिए नाइट्रोजन-समृद्ध जिंकोनियम और टाइटेनियम फॉस्फेट उत्प्रेरकों पर शोध प्रस्तुत किया। इस कार्य ने सी ओ₂ को मूल्य-वर्धित रसायनों में परिवर्तित करने के लिए नवीन उत्प्रेरक प्रणालियों का प्रदर्शन किया, जो सतत रसायन विज्ञान और कार्बन कैप्चर प्रौद्योगिकियों में योगदान देता है।



विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. प्रेरणा जैन, प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने सबरागामुवा विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा आयोजित 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन एडवांस्ड रिसर्च इन कंप्यूटिंग (आईसीएआरसी 2026) और एन आई टी गोवा द्वारा आयोजित आईईईई चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन स्मार्ट टेक्नोलॉजीज़ फॉर पावर, एनर्जी एंड कंट्रोल (एसटीपीईसी 2025) में विद्युत मूल्य पूर्वानुमान पर शोध प्रस्तुत किया। श्रीलंका की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने भविष्य के अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए शैक्षणिक नेताओं के साथ चर्चा भी की।





संकाय उपलब्धियां

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग

प्रो. घनश्याम सिंह ने ओपटिका (यूएसए) यात्रा अनुदान के अंतर्गत 04-08 अप्रैल 2026 के दौरान योंसेई विश्वविद्यालय, सियोल और हानयांग विश्वविद्यालय ई आर आई सी ए कैम्पस, दक्षिण कोरिया का दौरा किया, ऑप्टिकल कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और फोटोनिक्स पर वार्ताएं दीं, और एमएनआईटी जयपुर के साथ सहयोगी अनुसंधान और शैक्षणिक आदान-प्रदान के अवसरों की खोज की।



डॉ. अमित एम. जोशी, सहायक प्राध्यापक, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान द्वारा आयोजित राज्य-स्तरीय प्रौद्योगिकी दिवस कार्यक्रम 2026 में एमएनआईटी जयपुर का प्रतिनिधित्व किया। साथ में आयोजित नवाचारक प्रदर्शनी के दौरान, मुख्यमंत्री ने डॉ. जोशी और एमएनआईटी छात्रों से उनके नवाचार और अनुसंधान कार्य के बारे में बातचीत की, जिसमें तकनीकी उन्नति और नवाचार में संस्थान के योगदान को उजागर किया गया।



मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

प्रो. राजीव अग्रवाल को जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन (आईवाईसी-2026) (20-21 फरवरी 2026) में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ, और उन्होंने सेंसर, यूएवी और गुणवत्ता प्रणालियों पर विशेषज्ञ वार्ताएं दीं।

डॉ. गुलाब पामनानी और डॉ. दिनेश कुमार राठौड़ को मार्च 2026 के दौरान एनआईटी अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित आईसीएएमएस-2026 में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रो. हरलाल सिंह माली ने जनवरी-फरवरी 2026 के दौरान ड्रोन और स्वायत्त प्रौद्योगिकी, यूएसएस, सेंसर और संचार, और उभरती प्रौद्योगिकियों पर मुख्य भाषण और आमंत्रित वार्ताएं दीं।



संकाय उपलब्धियां

धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग

डॉ. अजय कुमार प्रधान, डॉ. रणधीर कुमार सिंह और डॉ. दीपांकर पांडा ने आईआईएफ राष्ट्रीय संगोष्ठी "एडवांसिंग फाउंड्री एक्सिलेंस" (16 अप्रैल 2026) में आमंत्रित वार्ताएं दीं।

प्रो. उपेंद्र पांडेल, डॉ. विजय नाडाकुदुरु, डॉ. कृष्ण कुमार और डॉ. रणधीर कुमार सिंह ने मार्च 2026 के दौरान उन्नत सामग्री और मिश्र धातु अध्ययन में आईसीएमएमई-2026 (श्रीलंका) और ग्रीन मटीरियल्स 2026 (ऑस्ट्रिया) में शोध प्रस्तुत किया।

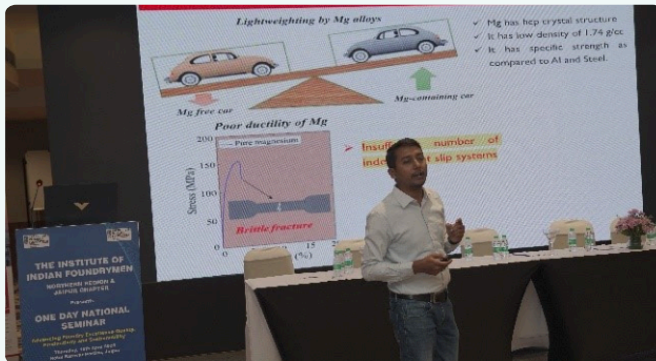
सामग्री अनुसंधान केंद्र (एमआरसी)

डॉ. भागवती शर्मा ने गौहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित टीटीसीएसआईआई-2026 और महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित डब्ल्यूसीएचएम-2026 में आमंत्रित वार्ताएं दीं।



डॉ. निशा वर्मा ने डब्ल्यूसीएचएम-2026 में हाइब्रिड सामग्री और नैनोसंरचित प्रणालियों पर एक आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. विकास शर्मा ने आईसी-एसएफएम 2026, एस के आई टी जयपुर में संकाय विकास कार्यक्रमों और जयपुर के कनोरिया पी जी महाविद्यालय में विज्ञान दिवस कार्यक्रमों में आमंत्रित वार्ताएं दीं। उन्होंने एमएनआईटी जयपुर द्वारा आयोजित आईसीओपीवी-2026 में शोध भी प्रस्तुत किया।





सम्मेलन और संगोष्ठियां

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग

श्री अरविंद मट्टा, टेक्निकल लीड, गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने संस्थान की इंडस्ट्री एक्सपर्ट लेक्चर पॉलिसी के अंतर्गत उभरती प्रौद्योगिकियों और उद्योग प्रथाओं पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिए, जिससे कक्षा शिक्षा और वास्तविक दुनिया की इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटा गया।



मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग ने आईआईटी बॉम्बे, एनआईटी राउरकेला और उद्योग के विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ, उभरती शैक्षणिक, उद्योग और एनईपी आवश्यकताओं के अनुरूप बी.टेक अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम को मजबूत करने के लिए अर्थशास्त्र में एक दिवसीय पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला (13 मार्च 2026) का आयोजन किया।



मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

प्रो. राजीव अग्रवाल ने आईपीआर प्रशिक्षण और जागरूकता (25 मार्च 2026) और एमएसएमई नवीन डिज़ाइन योजना (10 मार्च 2026) पर राष्ट्रीय कार्यशालाओं में भाग लिया, और डिज़ाइन और उद्यमिता पर क्षमता निर्माण (05-06 जनवरी 2026) पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. यशवंत कोली ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय केंद्र द्वारा आयोजित सतह इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (20 फरवरी 2026) में भाग लिया।

धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग

डॉ. अम्मासी ए. (एनएमएल जमशेदपुर), प्रो. एम. के. बनर्जी, श्री रवि कुमार वर्मा (एस ए सी-इसरो अहमदाबाद) और डॉ. ए एच वी पवन (बीएचईएल हैदराबाद) ने उद्योग-संस्थान व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत लौह निर्माण, ठोसीकरण प्रक्रियाओं, एयरोस्पेस अनुप्रयोगों में मिश्रित सामग्री, और विद्युत संयंत्र घटकों में धातु संयोजन पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिए, जिससे छात्रों को समकालीन औद्योगिक और धातुकर्म प्रथाओं का अनुभव प्राप्त हुआ।



Buland
Darwaza



डीनरी पहलें अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व छात्र मामलों के डीन

सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया प्रतिनिधिमंडल ने एमएनआईटी जयपुर का दौरा किया

सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने 28 अप्रैल 2026 को एमएनआईटी जयपुर का दौरा किया, ताकि अनुप्रयुक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर विशेष ध्यान देते हुए भविष्य के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के अवसरों की खोज की जा सके। प्रो. रेनॉड जोआन्स-बोयाउ, उप कुलपति (अनुसंधान) के नेतृत्व में, प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. प्रेरणा जैन, सहयोगी डीन (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों), और एमएनआईटी जयपुर के संकाय सदस्यों से अंतःविषय और एआई-संचालित अनुसंधान में सहयोगी अवसरों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की।



मुख्य चर्चाएं पादप विज्ञान, पर्यावरण निगरानी और डिजिटल स्वास्थ्य के साथ एआई और डेटा विज्ञान को एकीकृत करने वाले सह-पर्यवेक्षित डॉक्टरल अनुसंधान, अनुप्रयुक्त एआई में अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास, **ऑस्ट्रेलिया-भारत सामरिक अनुसंधान कोष** के अंतर्गत सहयोगी अनुसंधान प्रस्तावों और अनुसंधान क्षमता और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए **संकाय विनिमय कार्यक्रमों** पर केंद्रित थीं। यह दौरा एमएनआईटी जयपुर में वैश्विक साझेदारी और अंतःविषय नवाचार को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।





डीनरी पहलें

संकाय पूर्व छात्र सम्मान समारोह 2026

एमएनआईटी जयपुर ने 24 मई 2026 को संकाय पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें देश भर के संकाय पूर्व छात्रों को एक साथ लाया गया और संस्थान के साथ उनके संबंध को मजबूत किया गया। कार्यक्रम में प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी (निदेशक), प्रो. दिलीप शर्मा (डीन, अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व छात्र मामले), प्रो. राकेश जैन (प्राध्यापक प्रभारी, प्रशिक्षण और नियोजन), श्री आशीष अरोड़ा, डॉ. आशीष दत्त शर्मा (अध्यक्ष, एमएनआईटी जेएए), और डॉ. पवन कल्ला की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में पूर्व छात्र जुड़ाव, संस्थागत विकास और भविष्य के सहयोग के अवसरों पर संवादात्मक सत्र और चर्चाएं शामिल थीं, जो संस्थान और उसके संकाय पूर्व छात्र समुदाय के बीच स्थायी बंधन को दर्शाती हैं।



एमएनआईटी जयपुर में मालवीय ज्योति छात्रवृत्ति का शुभारंभ

एमएनआईटी जयपुर ने मालवीय ज्योति छात्रवृत्ति का शुभारंभ किया, जो देश भर से असाधारण शैक्षणिक प्रतिभा को आकर्षित करने और समर्थन करने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। छात्रवृत्ति प्रति छात्र प्रति वर्ष ₹2 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिसमें ट्यूशन शुल्क, छात्रावास शुल्क, संस्थान शुल्क और मेस व्यय शामिल हैं, जिससे मेधावी छात्र वित्तीय बाधाओं के बिना अपनी शैक्षणिक आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं।

छात्रवृत्ति जो सा ए के माध्यम से प्रवेश पाने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध है, जिसमें पात्रता बी.टेक और बी.आर्क कार्यक्रमों में उत्कृष्ट राष्ट्रीय रैंक पर आधारित है। छात्रवृत्ति बनाए रखने के लिए, प्राप्तकर्ताओं को प्रत्येक सेमेस्टर में न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखना होगा और अपने शैक्षणिक कार्यकाल के दौरान अनुकरणीय आचरण बनाए रखना होगा। इस पहल के माध्यम से, एमएनआईटी जयपुर शैक्षणिक उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने, मेधा को पुरस्कृत करने और भविष्य के नेताओं और नवाचारकों को पोषित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करना चाहता है।





डीनरी पहलें



MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR
(An Institute of National Importance)

MALAVIYA JYOTI SCHOLARSHIP

Honoring merit, encouraging excellence and empowering a brighter tomorrow.

FINANCIAL ASSISTANCE OF **₹2,00,000** PER YEAR PER STUDENT

BENEFITS

- TUITION FEES Covered
- HOSTEL CHARGES Covered
- INSTITUTE FEES Covered
- MESS EXPENSES Covered

ELIGIBILITY

- B.TECH. (OPEN CATEGORY)**
JoSAA AIR up to 1500
Top **05** Students
- B.ARCH. (OPEN CATEGORY)**
JoSAA AIR up to 200
Top **01** Student

CONTINUATION CRITERIA

- Maintain a minimum CGPA of **8.0** every semester
- Exemplary conduct and no disciplinary record

REWARDING MERIT. SUPPORTING EDUCATION. BUILDING NATION BUILDERS.

EXCELLENCE | INNOVATION | INTEGRITY | INCLUSIVITY

A STEP TODAY, A LEADER TOMORROW. • MNIT JAIPUR

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटन, परम्परा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और परस्पर संपर्क के पांच स्तंभों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। शैक्षणिक संवाद, संस्थागत दौरों, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से, यह पहल प्रतिभागियों को परस्पर समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हुए भारत की विविधता का अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।



युवा संगम चरण VI: एमएनआईटी जयपुर ने राजस्थान प्रतिनिधिमंडल को रवाना किया

एमएनआईटी जयपुर ने 7 मई 2026 को आयोजित एक अभिविन्यास समारोह के बाद, एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत भारत सरकार की पहल, युवा संगम चरण VI के तहत राजस्थान से 50 प्रतिनिधियों को रवाना किया। राजस्थान के प्रेषक उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में, एमएनआईटी जयपुर ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़, कर्नाटक में आठ दिवसीय इमर्सिव विनिमय कार्यक्रम में छात्रों, शोधकर्ताओं और युवा पेशवरों की भागीदारी को सुगम बनाया।



डीनरी पहलें

एस टी ई एम शिक्षा में क्षमता निर्माण

एमएनआईटी जयपुर ने आईएचएफसी आईआईटी दिल्ली के सहयोग से राजस्थान भर के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालयों के लगभग 55 शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय एसटीईएम और उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कोडिंग प्लेटफॉर्म, रोबोटिक्स किट और सिमुलेशन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया, जिससे शिक्षकों को एस टी ई एम शिक्षा को मजबूत करने और कक्षा शिक्षण अनुभवों को समृद्ध करने के लिए नवीन शैक्षणिक उपकरणों से लैस किया गया।



विदेशी भाषा संचार कौशल योजना पर जागरूकता संगोष्ठी

राजस्थान सरकार के कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के प्रतिनिधियों ने 14 मई 2026 को एमएनआईटी जयपुर का दौरा किया और विदेशी भाषा संचार कौशल योजना पर एक जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, जापानी और कोरियाई भाषाओं में संचार कौशल से लैस करना है, जिससे उनकी वैश्विक दक्षताओं और करियर संभावनाओं में वृद्धि हो।

संगोष्ठी में संकाय सदस्यों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई और उभरती वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप भाषा सीखने, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और कौशल विकास के अवसरों को उजागर किया गया।





डीनरी पहलें

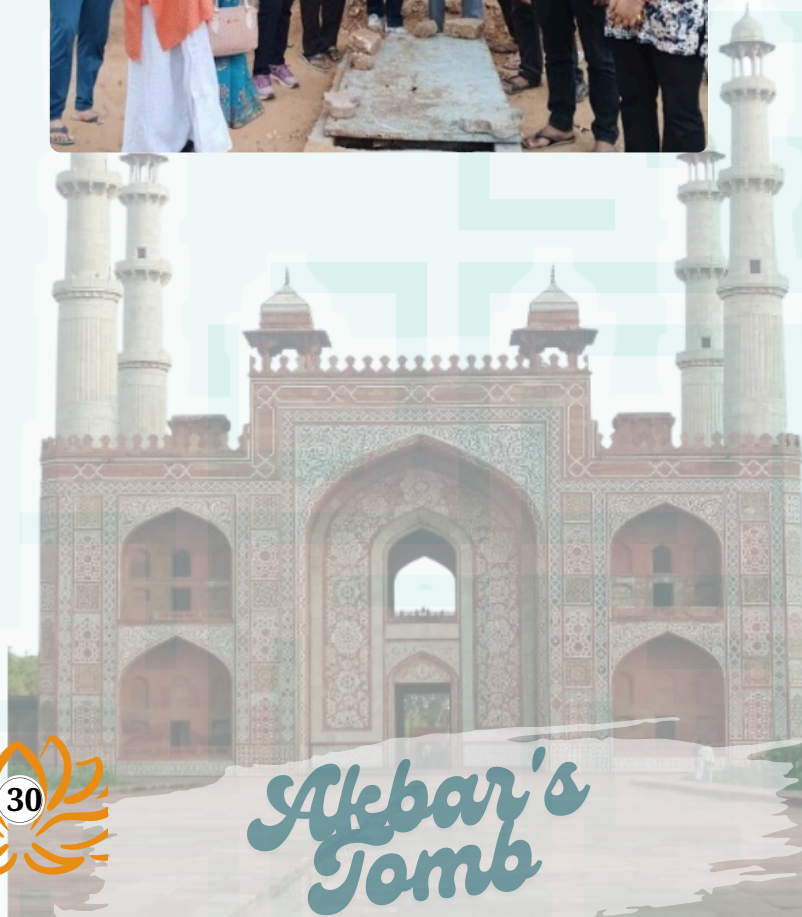
एम एन आई टी जयपुर में नेक्स्ट जेनरेशन पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन

एमएनआईटी जयपुर ने **प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी**, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर और **कर्नल सुशील कुमार**, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल की उपस्थिति में परिसर में **नेक्स्ट जेनरेशन पोस्ट ऑफिस** का उद्घाटन किया। प्रौद्योगिकी-सक्षम सुविधा का उद्देश्य छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के लिए संचार और डाक सेवाओं को बेहतर बनाना है, साथ ही **इंडिया पोस्ट** के साथ संस्थागत सहयोग को मजबूत करना है।

साधना केंद्र में वर्मीकम्पोस्टिंग पहल

एमएनआईटी जयपुर ने सतत परिसर प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के भाग के रूप में **31 मार्च 2026** को **साधना केंद्र में एक वर्मीकम्पोस्ट गट्टे** की स्थापना की। संकाय सदस्यों, मंदिर प्राधिकरणों और एनएसएस स्वयंसेवकों की उपस्थिति में आयोजित इस पहल का उद्देश्य मंदिर के पुष्प अर्पण से पुष्प अपशिष्ट को प्राकृतिक अपघटन के माध्यम से पोषक तत्व-समृद्ध खाद में परिवर्तित करना है।

उत्पन्न खाद का उपयोग परिसर बागवानी और वृक्षारोपण गतिविधियों के लिए किया जाएगा, जिससे पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा और संस्थान समुदाय में पर्यावरण जागरूकता मजबूत होगी।

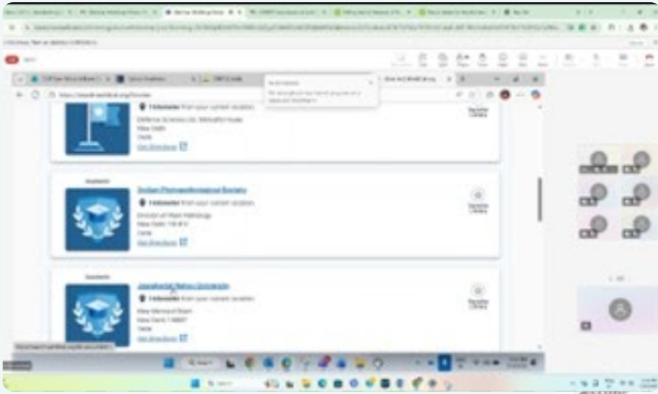
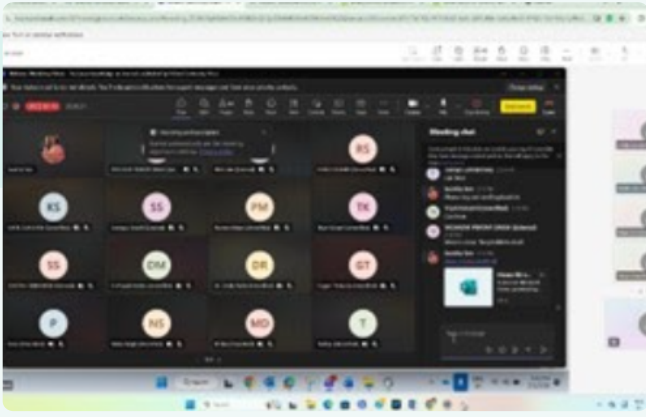




लाइब्रेरी स्फीयर

विद्वतापूर्ण संसाधनों तक पहुंच बढ़ाना

केंद्रीय पुस्तकालय ने 3 फरवरी 2026 को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस और इन्फ्लिबनेट द्वारा सहयोगात्मक रूप से आयोजित "टेस्ट योर नॉलेज ऑन जर्नल्स पब्लिशड बाय ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस" शीर्षक वाले एक सूचनाप्रद वेबिनार में भागीदारी की सुविधा प्रदान की। माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से आयोजित सत्र का नेतृत्व सुश्री सुमिता सेन, कस्टमर ट्रेनिंग मैनेजर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा किया गया, और प्रतिभागियों को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित विद्वतापूर्ण पत्रिकाओं, उनकी विषय व्याप्ति, प्रभाव और शैक्षणिक अनुसंधान में प्रासंगिकता से परिचित कराया गया।



एआई, शिक्षण और विद्वतापूर्ण प्रकाशन

शिक्षकों को उभरते तकनीकी बदलावों से निपटने में मदद करने के लिए, पुस्तकालय ने 5 फरवरी 2026 को हार्वर्ड बिज़नेस इम्पैक्ट द्वारा आयोजित वेबिनार "हाउ टू प्रोटेक्ट योर टीचिंग एक्सपर्टाइज़ इन द एज ऑफ एआई: 5 प्रैक्टिकल प्रिंसिपल्स फॉर एजुकेटर्स" में भागीदारी की सुविधा प्रदान की। चेरिल स्ट्रॉस आइनहॉर्न और लुसी स्वेडबर्ग द्वारा प्रस्तुत सत्र ने शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक और जिम्मेदार एकीकरण की खोज की, शैक्षणिक अखंडता, शिक्षाशास्त्र में मौलिकता और शिक्षा में मानव विशेषज्ञता के साथ तकनीकी उपकरणों को संतुलित करने के महत्व पर जोर दिया।

अनुसंधान विधियां और विद्वतापूर्ण कौशल

एआई-सक्षम अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में जागरूकता को और मजबूत करते हुए, केंद्रीय पुस्तकालय ने 16 फरवरी 2026 को एसीएस पब्लिकेशन्स और आईग्रुप इंडिया के सहयोग से इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा आयोजित वेबिनार "स्कॉलरली पब्लिशिंग इन द एज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" में भागीदारी की सुविधा प्रदान की। डॉ. अजय झा द्वारा प्रस्तुत सत्र ने पांडुलिपि तैयारी, समकक्ष समीक्षा, साहित्यिक चोरी का पता लगाने और अनुसंधान कार्यप्रवाह में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया, साथ ही पारदर्शिता, ए आई के नैतिक उपयोग और जिम्मेदार विद्वतापूर्ण प्रकाशन प्रथाओं पर जोर दिया।





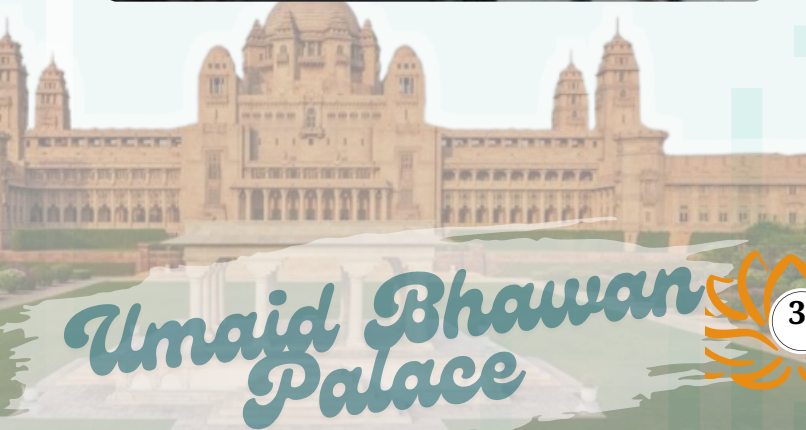
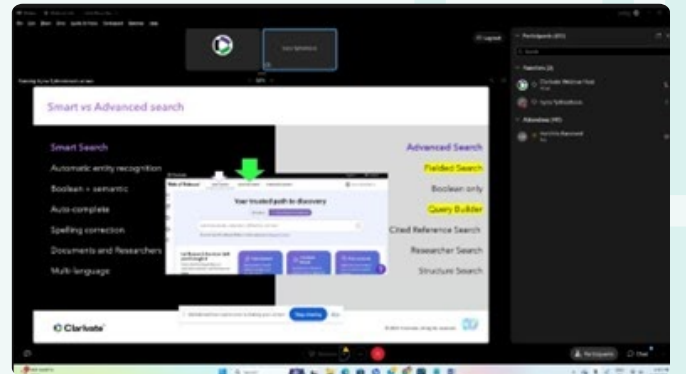
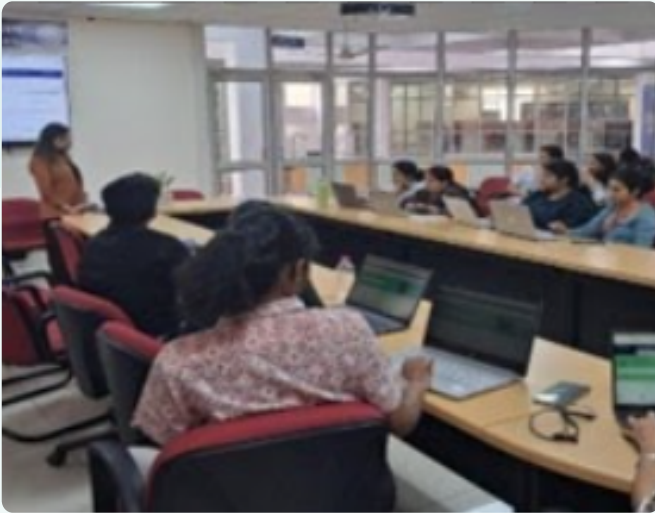
लाइब्रेरी स्फीयर

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग और प्रबंधन अध्ययन विभाग के सहयोग से, केंद्रीय पुस्तकालय ने 13 मार्च 2026 को एक उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम के रूप में "रिसर्च स्मार्ट, नॉट हार्डर: एक्सप्लोरिंग सेज रिसर्च मेथड्स" शीर्षक कार्यशाला का आयोजन किया। **सेज की कस्टमर सक्सेस मैनेजर सुश्री मिकी मेहता** द्वारा संचालित कार्यशाला ने सेज रिसर्च मेथड्स प्लेटफॉर्म का विस्तृत प्रदर्शन प्रदान किया, जिसमें प्रतिभागियों को अनुसंधान डिज़ाइन, पद्धति चयन, केस स्टडीज़, डेटा संगठन और संरचित अनुसंधान योजना से परिचित कराया गया। सत्र में शैक्षणिक लेखन प्रथाओं का व्यावहारिक अनुभव भी शामिल था और एक संवादात्मक प्रश्नोत्तरी के साथ समाप्त हुआ। लगभग 55 प्रतिभागियों ने कार्यशाला से लाभ उठाया।



अनुसंधान अखंडता और विद्वतापूर्ण संचार को बढ़ावा देना

केंद्रीय पुस्तकालय ने अनुसंधान नैतिकता, विद्वतापूर्ण प्रकाशन और अनुसंधान प्रभाव पर केंद्रित वेबिनारों की एक श्रृंखला आयोजित की। 10 मार्च 2026 को, प्रतिभागियों ने क्लेरिवेट द्वारा आयोजित "रिट्रैक्शन्स, रेप्युटेशन एंड द एआई रेकर्निंग: प्रोटेक्टिंग रिसर्च इंटीग्रिटी बिफोर इट्स टू लेट" में भाग लिया, जिसमें साहित्यिक चोरी, अनुसंधान दुराचार, वापसी, एआई उपकरणों के दुरुपयोग और नैतिक विद्वतापूर्ण प्रथाओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं, डॉ. इरिना त्यखोनकोवा और डॉ. सुभाश्री नाग ने एआई-सक्षम शैक्षणिक वातावरण में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और जिम्मेदार अनुसंधान व्यवहार बनाए रखने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला।



Umaid Bhawan
Palace



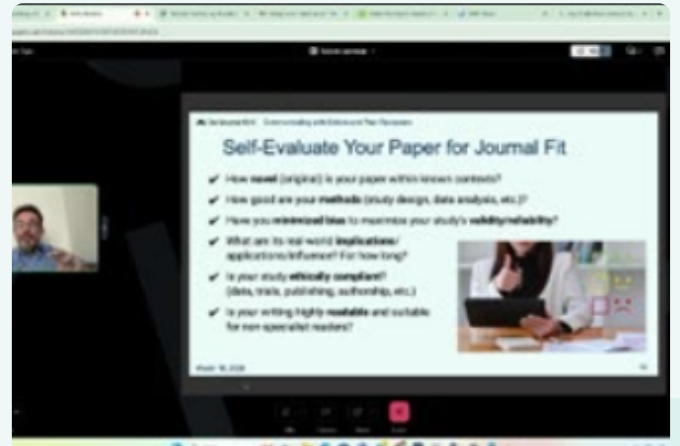
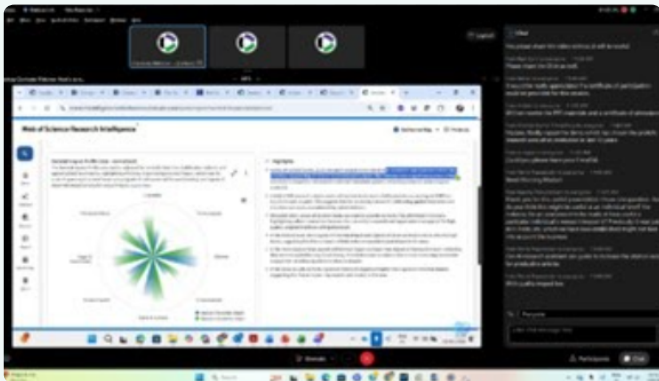
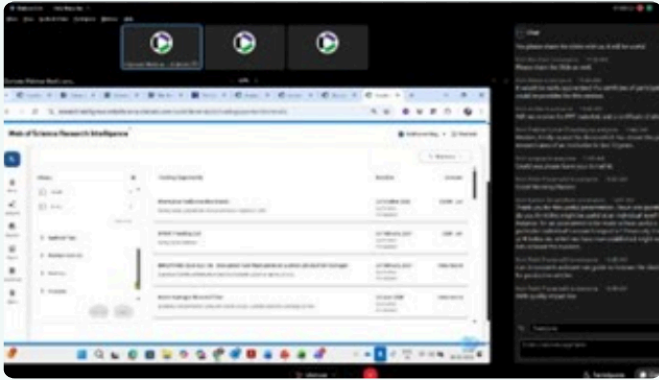


लाइब्रेरी स्फीयर



18 मार्च 2026 को, क्लेरिवेट के एक अन्य वेबिनार "बिगोन्ड साइटेशन्स: रीथिंकिंग रिसर्च इम्पैक्ट फॉर द ग्लोबल साउथ" ने प्रतिभागियों को पारंपरिक उद्धरण-आधारित मेट्रिक्स पर पुनर्विचार करने और नीति प्रभाव, सामाजिक योगदान, ज्ञान हस्तांतरण और सामुदायिक जुड़ाव सहित अनुसंधान प्रभाव के व्यापक उपायों की खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया। सत्र ने विकासशील क्षेत्रों से उभरने वाले अनुसंधान के मूल्यांकन के लिए समावेशी ढांचे को उजागर किया और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक चुनौतियों के साथ अनुसंधान को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया।

उसी दिन, केंद्रीय पुस्तकालय ने डी ग्रुपटर द्वारा आयोजित वेबिनार "कम्युनिकेटिंग विद एडिटर्स एंड पीयर रिव्यूअर्स" की सुविधा प्रदान की, जहां डॉ. गैरेथ डाइक और स्कॉट मैक्क्लेरी ने प्रतिभागियों को व्यावसायिक विद्वतापूर्ण संचार, पांडुलिपि प्रस्तुति प्रथाओं, समीक्षकों की टिप्पणियों का जवाब देने, कवर लेटर तैयार करने और समकक्ष-समीक्षा प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर मार्गदर्शन दिया। सत्र ने प्रतिभागियों को शैक्षणिक प्रकाशन के मानदंडों को बेहतर ढंग से समझने में मदद की और विद्वतापूर्ण संचार में उनके आत्मविश्वास को मजबूत किया।





लाइब्रेरी स्फीयर

ओएनओएस के जरिए शोध संसाधनों की खोज और उपलब्धता का विस्तार

26 मार्च 2026 को, केंद्रीय पुस्तकालय ने एआईपी पब्लिशिंग एकेडमिक द्वारा आयोजित वेबिनार "एम्पावरिंग रिसर्च डिस्कवरी थ्रू ओएनओएस" की सुविधा प्रदान की, ताकि संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों और छात्रों को वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) पहल से परिचित कराया जा सके। सत्र शैक्षणिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए अनुसंधान डेटाबेस, उन्नत खोज तकनीकों, सामग्री खोज उपकरणों और सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं और वैज्ञानिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित था।

रवींद्रनाथ टैगोर जयंती पर विशेष पुस्तक प्रदर्शनी

केंद्रीय पुस्तकालय ने राजभाषा प्रकोष्ठ के सहयोग से गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जन्म जयंती के अवसर पर एक विशेष पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी ने रवींद्रनाथ टैगोर की साहित्यिक कृतियों, लेखन और दार्शनिक योगदान को प्रदर्शित किया, जिससे छात्रों, शोध विद्वानों और कर्मचारियों को साहित्य, शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र-निर्माण पर उनके विचारों से जुड़ने का अवसर मिला।



आचार्य राजकुमार व्यास (समन्वयक, राजभाषा), डॉ. ऋषि तिवारी (सह-समन्वयक, राजभाषा) और श्री कुशाग्र चतुर्वेदी (राजभाषा अधिकारी) के मार्गदर्शन में आयोजित प्रदर्शनी में संस्थान समुदाय के सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

Rumi Gate





Yuva Sangam: 50 Raj students set to leave for K'taka today

Jaipur: Fifty students from Rajasthan will take part in Yuva Sangam Phase VI, with Malaviya National Institute of Technology (MNIT) Jaipur set to flag off the delegation for an educational and cultural exchange visit to Karnataka Thursday.

The 50 participants were chosen from around 2,000 applications received across the state. Selection was limited to students outside MNIT, with priority given to those from rural backgrounds and families earning less than Rs 1 lakh annually. The students will visit the IIIT Dharwad for an eight-day programme from May 8 to 15. In return, MNIT Jaipur will host 50 students from IIIT Dharwad in Rajasthan from June 5 to 12. TNN

दैनिक मास्टर

जयपुर, शनिवार, 28 मार्च, 2026 5

एमएनआईटी में एन-जेन पोस्ट ऑफिस का शुभारंभ

जयपुर | मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में डाक विभाग की ओर से एन-जेन (नेक्स्ट जनरेशन) पोस्ट ऑफिस का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि राजस्थान परिमंडल मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल कर्नल सुशील कुमार और विशिष्ट अतिथि एमएनआईटी निदेशक नारायण प्रसाद पाटी व जयपुर मंडल प्रवर अधीक्षक मोहन सिंह मीणा थे।

एमएनआईटी इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट कॉन्वलेव का भव्य आयोजन

जयपुर, दिव्यराष्ट्र। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर, में शुक्रवार को एमएनआईटी इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट कॉन्वलेव के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा, उद्योग और शासन से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों को एक साथ लाया गया, ताकि आपसी सहयोग को मजबूत किया जा सके। सम्मेलन शुभारंभ के पश्चात एमएनआईटी निदेशक प्रो. एन.पी. पाटी ने स्वागत भाषण देते हुए सम्मेलन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए संस्थान की अनुसंधान, नवाचार और प्लेसमेंट के क्षेत्र में उपलब्धियों को रेखांकित किया। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव और मुख्य अतिथि वी. श्रीनिवास ने एमएनआईटी जयपुर की सराहना की कि वह उद्योग, शिक्षा और नीति-निर्माण संस्थानों के बीच मजबूत संबंध बनाने का कार्य कर रहा है, जिससे विकसित भारत और विकसित राजस्थान का सपना पूरा हो सके। इसके बाद बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष आर्किटेक्ट हबीब खान ने संबोधित किया और नवाचार, अनुसंधान तथा उद्योग-आधारित शिक्षा को जोड़ने पर जोर दिया, ताकि भारत फिर से विश्वगुरु बन सके। इस सत्र में सम्मेलन की कॉपी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर आयोजित पैनल चर्चाएँ रहीं। प्रयोगशाला से बाजार पैनल में अनुसंधान को वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने, वाणिज्यीकरण, इनक्यूबेशन तथा उद्योग सहयोग पर चर्चा की गई, विशेष रूप से एमएसएमई और स्वदेशी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए। वहीं पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल अंतर को पाटन पैनल में शिक्षा की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने, इंटरनेट, अनुभवात्मक अधिगम और परिणाम-आधारित दृष्टिकोण पर बल दिया गया। साथ ही डिजाइन थिंकिंग, संचार, टीमवर्क और वित्तीय साक्षरता जैसे कौशलों के महत्व को भी रेखांकित किया गया। सम्मेलन के अंतर्गत विभागीय स्तर पर तकनीकी सत्र, अनुसंधान प्रस्तुतियाँ और संवादात्मक चर्चाएँ भी आयोजित की गईं।

समाचार जगत जयपुर, 17 मार्च, 2026 2

एमएनआईटी जयपुर, युवा संगम के लिए राजस्थान का नोडल संस्थान

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर को युवा संगम चरण-VI कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान के लिए नोडल संस्थान नामित किया है। यह पहल भारत सरकार के एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच अनुभवात्मक शिक्षा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। इस चरण के अंतर्गत राजस्थान को कर्नाटक राज्य के साथ जोड़ा गया है, जहाँ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IIIT) धारवाड़ साझेदार संस्थान के रूप में कार्य करेगा। नोडल संस्थान के रूप में एमएनआईटी जयपुर राजस्थान आने वाले युवा प्रतिनिधिमंडलों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और अनुभवात्मक कार्यक्रमों का समन्वय करेगा, जबकि कर्नाटक में आयोजित कार्यक्रमों का समन्वय IIIT धारवाड़ द्वारा किया जाएगा।



अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन डिसेलिनेशन, जल उपचार एवं प्रबंधन का आयोजन

जयपुर, दिव्यराष्ट्र। शहरी जल योजना तथा सतत विकास पर इंडियन डीसेलिनेशन एसोसिएशन के वार्षिक अधिवेशन इन डेकोन -2026 के साथ समन्वित रूप से 27-28 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन का संयुक्त रूप से आयोजन रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, एमएनआईटी जयपुर, इन डीए, आईआईसीएचई - जेआरसी तथा आईडब्ल्यू डब्ल्यूए जयपुर द्वारा वैश्विक स्तर पर जल संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु किया गया। इस सम्मेलन में आईआईटी, एनआईटी, सीएफटीआई, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र तथा अन्य सीएसआईआर प्रयोगशालाओं सहित प्रतिष्ठित संस्थानों से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, साथ ही उद्योग जगत के प्रमुख विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे। इस विविध सहभागिता ने विचारों के समृद्ध आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया, जिसमें जल शोधन, पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग से संबंधित विभिन्न तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही, परिपत्र अर्थव्यवस्था को अपनाने तथा नवीकरणीय ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण आकर्षण जल के सामाजिक आयामों, विशेष रूप से जल एवं लैंगिक समानता तथा दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिपत्र अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण पर केंद्रित रहा। सम्मेलन में प्रमुख वक्ताओं में प्रो.

समाचार जगत जयपुर, 11 अप्रैल, 2026 8

एमएनआईटी इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट कॉन्वलेव का उद्घाटन

एमएसएमई व स्वदेशी निर्माण पर किया ध्यान केंद्रित

समाचार जगत न्यूज



जयपुर, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर, में शुक्रवार को एमएनआईटी इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट कॉन्वलेव का उद्घाटन हुआ। एमएनआईटी निदेशक प्रो. एन.पी. पाटी ने स्वागत भाषण में संस्थान की अनुसंधान, नवाचार और प्लेसमेंट के क्षेत्र में उपलब्धियों को रेखांकित किया। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव और मुख्य अतिथि वी. श्रीनिवास ने कहा कि एमएनआईटी जयपुर उद्योग, शिक्षा और नीति-निर्माण संस्थानों के बीच

सहयोग को मजबूत करने का कार्य कर रहा है, जिससे विकसित भारत और विकसित राजस्थान का सपना पूरा हो सके। इसके बाद बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष आर्किटेक्ट हबीब खान ने नवाचार, अनुसंधान तथा उद्योग-आधारित शिक्षा को जोड़ने पर जोर दिया, ताकि भारत फिर से विश्वगुरु बन सके। इस सत्र में सम्मेलन की कॉपी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर आयोजित पैनल चर्चाएँ रहीं। प्रयोगशाला से बाजार पैनल में शिक्षा की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने, इंटरनेट, अनुभवात्मक अधिगम और परिणाम-आधारित दृष्टिकोण पर बल दिया गया। साथ ही डिजाइन थिंकिंग, संचार, टीमवर्क और वित्तीय साक्षरता जैसे कौशलों के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

एमएनआईटी में अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम को सुदृढ़ बनाने पर हुआ मंथन

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। एमएनआईटी के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग में बीटेक छात्रों के लिए संचालित अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम की समीक्षा और उसे अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय 'पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला' का आयोजन हुआ। कार्यशाला का समन्वयन डॉ. निधि शर्मा ने किया, जिसमें आमंत्रित विशेषज्ञों, संकाय सदस्यों और पीएच.डी शोधार्थियों ने भाग लेकर बदलती शैक्षणिक और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम को अद्यतन करने पर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ आईआईटी बॉम्बे की प्रोफेसर विनीश कथूरिया और एनआईटी राउरकेला के प्रो. नारायण सेठी ने अर्थशास्त्र शिक्षा के समकालीन पहलुओं पर विचार



संकाय सदस्यों और पीएच.डी शोधार्थियों ने भाग लेकर बदलती शैक्षणिक और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम को अद्यतन करने पर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ आईआईटी बॉम्बे की प्रोफेसर विनीश कथूरिया और एनआईटी राउरकेला के प्रो. नारायण सेठी ने अर्थशास्त्र शिक्षा के समकालीन पहलुओं पर विचार

पंजाब केसरी

जयपुर • बुधवार • 08 अप्रैल, 2026

6 दिवसीय कारि-2026 शुरू, कलाकारों ने सृजनात्मक अभिव्यक्ति में बिखरे रंग



जयपुर, 7 अप्रैल (ब्यूरो): एमएनआईटी परिसर में मंगलवार को 6 दिवसीय नेशनल क्रिएटिव आर्ट फेस्ट कारि-2026 का आगाज हुआ। एमएनआईटी और एमआईटी एडीटी यूनिवर्सिटी, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित फेस्ट में कलाकारों ने सृजनात्मक अभिव्यक्ति से आकर्षित किया। मुख्य अतिथि चित्रकार पद्मश्री एस.शाकिर अली, अध्यक्षता प्रो. एबी गुप्ता, विशिष्ट अतिथि प्रो. चिन्मय मेहता, कल्याण जोशी, महावीर भारती और विजय धोरे ने भी कला के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. राजीव श्रृंगी ने स्वागत उद्बोधन में आयोजन की रूपरेखा साझा की।

कलाकारों ने लाइव चित्रकारी व अन्य कलाओं का प्रदर्शन किया। 60 छात्र कला की बारीकियां सीख रहे हैं। इन कलाकारों ने बड़ाई फेस्ट की शोभा: रघुनाथ, युगल किशोर शर्मा, पुष्पा दुल्लार, मानक अन्ता शांडिल्य, शाहिद परवेज, अमिता राज गोयल, इति, दीपक सालवी, राजेश, निरुद्ध जैन, निर्मल यादव, हंसराज, उमेश शर्मा, चित्रसेन, दीपिका माली, सूरज सोनी, मुकेश शर्मा, सुनील निगावत, वीरांगना सोनी, सुचिता गाडगे, हिमांशु योगी, सचिन बांडे, सुष्टि शास्त्री, दुर्गेश अटल, नीलू कंवारिया, विनय त्रिवेदी, संत कुमार बिश्नोई, दीप मनोहर, पूजा भार्गव, रेखा

एमएनआईटी जयपुर कोर इंजीनियरिंग के लिए भर्तीकर्ताओं की पहली पसंद के रूप में उभरा

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। भारत के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में अपनी सशक्त पहचान को और मजबूत करते हुए तथा भावी इंजीनियरों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित होते हुए, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर ने बी.टेक. 2026 बैच के लिए कोर इंजीनियरिंग शाखाओं में उत्कृष्ट प्लेसमेंट सत्र दर्ज किया है। संस्थान ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, मेटलर्जिकल एवं मटेरियल इंजीनियरिंग तथा आर्थोडॉन्टिकल कोर शाखाओं में शानदार प्लेसमेंट प्रदर्शन किया, जो एमएनआईटी जयपुर की शैक्षणिक उत्कृष्टता और उद्योग-उन्मुख प्रतिभा पर उद्योगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।



प्रो. राकेश जैन, प्रोफेसर-प्रभारी, प्लेसमेंट सेल, ने इस उपलब्धि का श्रेय राष्ट्रीय नीति (एनपीपी) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, उद्योगों के साथ बढ़ती सहभागिता, कोशल-आधारित प्रशिक्षण तथा एमएनआईटी जयपुर द्वारा अनुभवात्मक एवं परिणाम-आधारित शिक्षा पर दिए जा रहे विशेष जोर को दिया।

विद्यार्थियों की बढ़ती मांग रही। विनियमन, अवसरचनना, ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, भारी इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सार्वजनिक उपकरणों से जुड़ी प्रमुख कंपनियों ने कैम्पस भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संगठनों में अवसर प्राप्त हुए, जिससे एमएनआईटी जयपुर में कोर इंजीनियरिंग शिक्षा की प्रासंगिकता और गुणवत्ता पुनः प्रमाणित हुई।

विशेष रूप से मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में कोर सेक्टर की कंपनियों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। 2025-26 प्लेसमेंट चक्र के दौरान विभाग में 22 कोर कंपनियों ने भर्ती की और लगभग 75% पंजीकृत विद्यार्थियों को अवसर प्रदान किए, जबकि शेष विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित नॉन-कोर एवं बहुविषयक संगठनों में स्थान प्राप्त किया। विभाग ने 23.85 लाख प्रतिवर्ष का प्रभावशाली उच्चतम पैकेज तथा 10.56 लाख प्रतिवर्ष का औसत पैकेज दर्ज किया, जो एमएनआईटी

एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी ने सभी भर्ती संगठनों के प्रति संस्थान पर निरंतर विश्वास और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, नवाचार तथा व्यावसायिक विकास के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, 'एमएनआईटी जयपुर गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग शिक्षा, अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार तथा वैश्विक स्तर पर सक्षम पेशेवरों के विकास के माध्यम से भारत की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो देश के औद्योगिक और तकनीकी परिवर्तन को गति प्रदान कर सके।'

लगातार उत्कृष्ट प्लेसमेंट, उद्योगों के साथ बढ़ती सहभागिता, जीवंत अनुसंधान अवसर तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, एमएनआईटी जयपुर भारत में कोर इंजीनियरिंग शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और भर्तीकर्ताओं दोनों के लिए एक शीर्ष पसंद के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को लगातार सुदृढ़ कर रहा है।

एमएनआईटी जयपुर कोर इंजीनियरिंग के लिए भर्तीकर्ताओं की पहली पसंद

दिव्य राष्ट्र ब्यूरो

जयपुर। भारत के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में अपनी सशक्त पहचान को और मजबूत करते हुए तथा भावी इंजीनियरों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित होते हुए, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर ने बी.टेक. 2026 बैच के लिए कोर इंजीनियरिंग शाखाओं में उत्कृष्ट प्लेसमेंट सत्र दर्ज किया है। संस्थान ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, मेटलर्जिकल एवं मटेरियल इंजीनियरिंग तथा अन्य संबंधित कोर शाखाओं में शानदार प्लेसमेंट प्रदर्शन किया, जो एमएनआईटी जयपुर की शैक्षणिक उत्कृष्टता और उद्योग-उन्मुख प्रतिभा पर उद्योगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। यह उपलब्धि एमएनआईटी जयपुर ने 96.4% के उल्लेखनीय प्लेसमेंट दर के साथ विशेष उपलब्धि हासिल की। यह विभाग की मजबूत शैक्षणिक नींव, व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रणाली तथा उद्योग-केन्द्रित पाठ्यक्रम को रेखांकित करता है। यह उपलब्धि एमएनआईटी जयपुर की उस बढ़ती प्रतिष्ठा को भी दर्शाती है, जिसके तहत संस्थान भविष्य के ऐसे इंजीनियर तैयार कर रहा है जो भारत के तीव्र गति से विकसित हो रहे औद्योगिक और तकनीकी क्षेत्रों में प्रभावी योगदान देने में सक्षम हैं। इस वर्ष के प्लेसमेंट सत्र की एक प्रमुख विशेषता कोर इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों की बढ़ती मांग रही। विनियमन, अवसरचनना, ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, भारी इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सार्वजनिक उपकरणों से जुड़ी प्रमुख कंपनियों ने कैम्पस भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संगठनों में अवसर प्राप्त हुए, जिससे एमएनआईटी जयपुर में कोर इंजीनियरिंग शिक्षा की प्रासंगिकता और गुणवत्ता पुनः प्रमाणित हुई। विशेष रूप से मैकेनिकल



उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। 2025-26 प्लेसमेंट चक्र के दौरान विभाग में 22 कोर कंपनियों ने भर्ती की और लगभग 75% पंजीकृत विद्यार्थियों को अवसर प्रदान किए, जबकि शेष विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित नॉन-कोर एवं बहुविषयक संगठनों में स्थान प्राप्त किया। विभाग ने 23.85 लाख प्रतिवर्ष (एलपीए) का प्रभावशाली उच्चतम पैकेज तथा 10.56 लाख प्रतिवर्ष का औसत पैकेज दर्ज किया, जो एमएनआईटी जयपुर के विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता, नवाचार क्षमता और नेतृत्व कौशल पर उद्योगों के विश्वास को दर्शाता है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, नोईएल, मारुति सुजुकी, बजाज ऑटो, होडा मोटरसाइकिल्स, जेसीबी, कमिस इंडिया, रनाइड इलेक्ट्रिक, जेएसडब्ल्यू, वेदांता लिमिटेड, सीमेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर्स, जेएसडीएल, एनएल, एमएनआईटी जयपुर कोर इंजीनियरिंग शाखाओं में भर्ती अभियान में भाग लिया। कोर इंजीनियरिंग शाखाओं में यह सशक्त प्लेसमेंट प्रदर्शन एमएनआईटी जयपुर की उस शैक्षणिक प्रणाली की सफलता को दर्शाता है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावहारिक अभिगम, नवाचार, अंतःविषय एक्जोसुर तथा उद्योगों के साथ घनिष्ठ

भारत 2047' की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप भी है, जो तकनीकी प्रगति, विनियमन उत्कृष्टता, अवसरचनना विकास और आत्मनिर्भर विकास पर बल देती है। प्रो. राकेश जैन, प्रोफेसर-प्रभारी, प्लेसमेंट सेल, ने इस उपलब्धि का श्रेय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीपी) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, उद्योगों के साथ बढ़ती सहभागिता, कोशल-आधारित प्रशिक्षण तथा एमएनआईटी जयपुर द्वारा अनुभवात्मक एवं परिणाम-आधारित शिक्षा पर दिए जा रहे विशेष जोर को दिया। एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी ने सभी भर्ती संगठनों के प्रति संस्थान पर निरंतर विश्वास और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, नवाचार तथा व्यावसायिक विकास के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'एमएनआईटी जयपुर गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग शिक्षा, अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार तथा वैश्विक स्तर पर सक्षम पेशेवरों के विकास के माध्यम से भारत की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो देश के औद्योगिक और तकनीकी

राजस्थान पत्रिका

जयपुर, शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026

35 कलाकारों की 100 से ज्यादा पेंटिंग्स होंगी डिस्प्ले एमएनआईटी में क्रिएटिव आर्ट एग्जीबिशन का उद्घाटन आज

जयपुर @ पत्रिका प्लस. एमएनआईटी जयपुर और एमआईटी एडीटी यूनिवर्सिटी पुणे के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 6 दिवसीय नेशनल क्रिएटिव आर्ट फेस्ट 'कारि' 2026 के तहत शुक्रवार को शाम 6 बजे एमएनआईटी के वीएलटीसी सेंटर में आर्ट एग्जीबिशन का उद्घाटन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गैम्री अवाई विजेता व पद्मभूषण कलाकार पं. विश्व मोहन भट्ट होंगे। अध्यक्षता एमएनआईटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन आर्किटेक्ट हबीब खान और

निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी करेंगे। विशिष्ट अतिथि एमआईटी-एडीटी के प्रो. मंगेश टी. कारड होंगे। एग्जीबिशन में राजस्थान और महाराष्ट्र के 35 कलाकारों और दोनों शिक्षण संस्थानों के 60 से अधिक छात्रों की 100 से अधिक कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. राजीव श्रृंगी, प्रो. तरुण चंद्रा, प्रो. तुषार पांखे, प्रो. राजेश एस., ज्योति ढाकने, प्रो. महेश चोपाड़े, प्रो. नचिकेत ठाकुर, प्रो. धनेश्वर बिसौया, प्रदन्था दलवी और प्रो. सूरज बोयार की भी उपस्थिति रहेगी।

एमएनआईटी में एसटीईएम एवं उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. पीएमश्री केवीएस के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (टीजीटी) के लिए पांच दिवसीय एसटीईएम और उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन एमएनआईटी जयपुर में आईएचएफसी, आईआईटी दिल्ली के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन संस्थान के अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं परामर्श) प्रो. लावा भार्गव, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार दोहरे और आईएचएफसी आईआईटी दिल्ली के शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख एवं उपाध्यक्ष पीयूष प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य से लगभग 55 शिक्षक भाग ले रहे हैं। यह उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), कोडिंग प्लेटफॉर्म, रोबोटिक्स किट और सिमुलेशन उपकरणों को कक्षा शिक्षण में एकीकृत करने के उन्नत कौशल करना है। यह कार्यक्रम अनुभवात्मक अधिगम, पूरुताछ-आधारित दृष्टिकोण और व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं प्रायोगिक अनुभव के माध्यम से अंतःविषयक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा पर बल देता है। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनी शिक्षण पद्धतियों में प्रभावी ढंग से शामिल करने में सक्षम बनाएगा। आयोजन दल, जिसमें डॉ. वी. सुब्बारामेया, डॉ. नीली सत्यनारायण, डॉ. मीना नेमीवाल और डॉ. विजयलक्ष्मी गोसु शामिल थे, ने बुनियादी ढांचे और वित्तीय सहायता के लिए एमएनआईटी जयपुर और आईएचएफसी, आईआईटी दिल्ली के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में वर्ष 2026 की द्वितीय तिमाही की हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. राजेश कुमार मीना, सहायक निदेशक, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, हिंदी शिक्षण योजना, जयपुर केंद्र रहे। सह समन्वयक, राजभाषा प्रकोष्ठ डॉ. ऋषि तिवारी ने स्वागत उद्घोषण दिया। कार्यशाला का विषय "कार्यालय पत्राचार में सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र एवं कार्यालय आदेश का अनुप्रयोग" रहा। इस ति पर मुख्य प्रशिक्षक ने विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। डॉ. मीना ने अपने उद्घोषण में राजभाषा हिंदी के संवर्धन तथा संस्थान में इसके प्रयोग की महत्ता पर बल दिया अंत में राजभाषा अधिकारी, कुशाग्र चतुर्वेदी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के धन्यवाद ज्ञापित किया।

पं. विश्व मोहन भट्ट आर्ट एग्जीबिशन का

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। एमएनआईटी, यूनिवर्सिटी पुणे के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कि



बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन आर्किटेक्ट हबीब खान 3 की। विशिष्ट अतिथि एमआईटी-एडीटी के एग्जीक्यूटिव प्रेजिडेंट राजस्थान और महाराष्ट्र के 35 कलाकारों और से अधिक छात्रों की 100 से अधिक कलाकृतियों को प्रदर्शित राजीव श्रुंगी, प्रो. तरुण चंद्र, प्रो. तुषार पक्के, प्रो. राजेश नरिचकेत ठाकर, प्रो. धनेश्वर बिसौया और प्रो. सुरज भोयार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन InDACon-2026 का सफल आयोजन



हमारा समाचार

जयपुर। इंडियन डीसेलिनेशन एसोसिएशन (InDA) के वार्षिक अधिवेशन InDACon-2026 के साथ आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का 27-28 मार्च को सफल समापन हुआ। यह सम्मेलन एमएनआईटी जयपुर के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, InDA, IChE-JRC तथा IWW जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। सम्मेलन में आईआईटी, एनआईटी, सीएफटीआई, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और सीएसआईआर प्रयोगशालाओं सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें जल शोधन, पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग, परिपत्र अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। जल एवं लैंगिक समानता तथा दीर्घकालिक जल सुरक्षा भी प्रमुख विषय रहे। प्रमुख वक्ताओं में प्रो. के. के. पंत, प्रो. एन. पी. पाद्री, प्रो. एस. पी. चौरसिया और इंजी. आर. ओ. पी. गोयल



समन्वयक संस्थान समाचार

पत्र

डॉ. पारुल माथुरिया (सहायक प्रोफेसर, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र) संपादकीय

डॉ. मेनका
(सहायक प्रोफेसर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग)
डॉ. गीतांजलि चट्टोपाध्याय
(सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)
सुप्रिया अवस्थी
(शोधार्थी, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
सन्नी रॉय-न्यूरोन
(एम.टेक., ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
प्रशांत कुमार
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर)
अभिनव सिंह
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर)
शुभम
(बी.टेक., चतुर्थ सेमेस्टर)
प्रखर अग्रवाल
(बी.टेक., चतुर्थ सेमेस्टर)
माधव वाष्णीय
(बी.टेक., चतुर्थ सेमेस्टर)
हर्षल सोनी
(बी.टेक., चतुर्थ सेमेस्टर)
सोनु चौधरी
(बी.टेक., द्वितीय सेमेस्टर)
दिशाना जैन
(बी.टेक., द्वितीय सेमेस्टर)

तकनीकी सहयोग, आउटरीच

डॉ. सद्भावना
(सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग)
रुद्र प्रताप सिंह
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर, यांत्रिक अभियांत्रिकी)
सुभ्रजीत रॉय
(बी.टेक., अष्टम सेमेस्टर, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग)
शाल्विन डिडवानिया
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
रामेश्वर
(बी.टेक., चतुर्थ सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
आर्यन गोयल
(बी.टेक., चतुर्थ सेमेस्टर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

डिज़ाइन

डॉ. सूरजीत घोष
(सहायक प्रोफेसर, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)
आकिटेक्ट हिमांशु योगी
(सहायक प्रोफेसर, वास्तुकला एवं नियोजन विभाग)
अनामिका लक्ष्मी
(बी.टेक., अष्टम सेमेस्टर, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग)
एस. साई मधुला
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
दीपशिखा राज
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)

कंटेंट मैनेजमेंट

डॉ. अनुभा जिंदल
(सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)
डॉ. बिकाशबिंदु दास
(सहायक प्रोफेसर, रासायनिक अभियांत्रिकी
विभाग)
पुनीत कुमार झा
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर, रासायनिक अभियांत्रिकी
(CH))
विनीत सिंह परिहार
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी
(EE))
रयान कल्याण
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार
अभियांत्रिकी (ECE))
मान्या बजाज
(बी.टेक., षष्ठम सेमेस्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार
अभियांत्रिकी (ECE))
ऋतिका नीमरोट
(परास्नातक, चतुर्थ सेमेस्टर, पीसीवी (PCV))
ऋषु रंजन
(बी.टेक., चतुर्थ सेमेस्टर, यांत्रिक अभियांत्रिकी
(ME))
सहज बजाज
(बी.टेक., चतुर्थ सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी
(EE))



कुलगीत

गालव ऋषि की तपोभूमि पर,
प्रौद्योगिकी ज्ञान का संगम ।
विश्वपटल पर आलोकित है,
भारतीय मेधा का परचम ॥
नवरचना के लिए समर्पित,
नूतन अभ्युत्थान ।
जय-जय मालवीय संस्थान ॥१॥

तकनीकी विद्या का साधक,
मानव मूल्यों का आराधक ।
यन्त्र, तन्त्र, अणु-कौशल शिक्षा,
वैज्ञानिक दृष्टि का वाहक ॥
अखिल विश्व हित शोध सर्जना,
भारत का प्रतिमान ।
जय-जय मालवीय संस्थान ॥३॥

ढूँढ़ाड़ी माटी का उत्सव,
बिखरा यहां गुलाबी वैभव
। भव्य भवन, पथ, जंतर-मंतर,
स्थापत्य, कलाएँ अभिनव ॥
अरावली की उपत्यका में,
ज्ञानोदय अभियान।
जय-जय मालवीय संस्थान ॥२॥

जल, थल, अंतरिक्ष अवगाहन,
श्रम से शृंगारित हो जीवन ।
अमृतकाल के अग्रदूत हम,
करते नवयुग का आवाहन ॥
"योगः कर्मसु कौशलम्" का,
गूँज रहा जयगान।
जय-जय मालवीय संस्थान ॥४॥

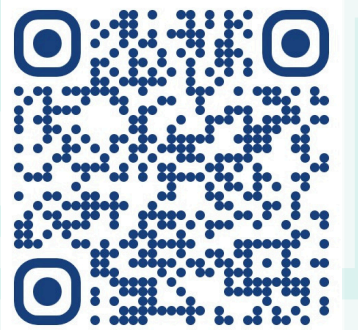
रचनाकार :

डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष

पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी, (राज्यमंत्री दर्जा - राजस्थान सरकार)
कवि, आलोचक, निबंधकार एवं संपादक ।

आपकी प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है!

हमारे काम के बारे में अपनी राय देने या हमारी टीम से संपर्क करने के लिए यहाँ स्कैन करें।



*Dhamek
Stupa*

